भारतीय पुनर्वास परिषद्

सत्यमेव जयते

THE UNIVERSITY OF MELBOURNE

समुदाय आधारित समावेशी विकास (सीबीआईडी) में प्रमाण-पत्र

अनुदेशक की मार्गदर्शिका चरण तीन

संस्करण – 1.1

भारतीय पुनर्वास परिषद्
(सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक निकाय)
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
भारत सरकार

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

सर्वाधिकार सुरक्षित

यह दस्तावेज़ भारतीय पुनर्वास परिषद् की पूर्णतः संपत्ति है। इस प्रकाशन का कोई भी हिस्सा आरसीआई की पूर्व अनुमति के बिना रिट्रीवल प्रणाली में पुनःप्रकाशित, संग्रहीत या किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या अन्यथा प्रेषित नहीं किया जा सकता है।

इस दस्तावेज़ में व्यक्त विचार लेखक के हैं न कि आरसीआई के।

आरसीआई के बारे में अधिक जानकारी वेबसाइट ***www.rehabcouncil.nic.in*** पर देखी जा सकती है

मार्च, 2021 फाल्गुन 1942 (शक)

सत्यमेव जयते

समुदाय आधारित समावेशी विकास (सीबीआईडी) में प्रमाण–पत्र

अनुदेशक की मार्गदर्शिका
चरण तीन

संस्करण – 1.1

भारतीय पुनर्वास परिषद्

भारतीय पुनर्वास परिषद्
(सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक निकाय)
दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग
भारत सरकार

संचालन समिति :

श्रीमती शकुन्ताला डौले गामलिन, भा.प्र.से.
सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार और अध्यक्षा, भारतीय पुर्नवास परिषद्

श्रीमती तारिका रॉय,
संयुक्त सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार

डॉ. सुबोध कुमार,
सदस्य सचिव, भारतीय पुनर्वास परिषद्, नई दिल्ली

विकास समिति :

पाठ्यक्रम अनुदेशक :

डॉ. नाथन ग्रिल्स,
एसोसिएट प्रोफेसर, नोसल इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हैल्थ (एनआईजीएच),
मेलबोर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया

प्रो. लिंडसे गेल,
एसोसिएट प्रोफेसर, नोसल इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हैल्थ (एनआईजीएच),
मेलबोर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया

मॉड्यूल I : समावेशी सामुदायिक विकास (आईसीडी)

श्री कार्मो नोरोन्हा,
कार्यकारी निदेशक, बेथानी सोसाइटी, शिलांग

श्री पंकज मारू,
संस्थापक अध्यक्ष, स्नेह, नागदा, मध्य प्रदेश

मॉड्यूल II : आकलन और हस्तक्षेप (ए एण्ड आई)

डॉ. भूषण पुनानी,
कार्यकारी सचिव, ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन, अहमदाबाद

सुश्री जुबिन वर्गीज,
ईएचए अस्पताल, देहरादून

मॉड्यूल III : व्यावसायिक व्यवहार और चिंतनशील अभ्यास (पीबीआरपी)

श्रीमती सारा वर्गीज,
कंट्री डायरेक्टर, क्रिस्टोफेल ब्लाइंडन मिशन (सीबीएम) भारत, बैंगलोर

सुश्री जेचिन वेलेवन,
क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर

सामग्री डेवलपर और संपादक :

प्रो. सुजाता भान,
विभाग प्रमुख, विशेष शिक्षा, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई

डॉ. वर्षा गट्टू,
विभाग प्रमुख, विशेष शिक्षा, एवाईजेएनआईएसएचडी (दिव्यांगजन), मुंबई

यूनिट लेखक :

श्री अखिल पॉल,
निदेशक, सेंस इंटरनेशनल इंडिया, अहमदाबाद

सुश्री नंदिनी रावल,
कार्यकारी निदेशक, ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन, अहमदाबाद

सुश्री विमल थवानी,
परियोजना निदेशक, ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन, अहमदाबाद

सुश्री किन्नरी देसाई,
परामर्शी प्रबंधक, ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन, अहमदाबाद

सुश्री एडलिन सिथर,
क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर

श्री विशाल गुप्ता,
कैथोलिक हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएचएआई), हैदराबाद

श्री उमेश,
क्रिस्टोफ़ेल ब्लाइंडन मिशन (सीबीएम) भारत, दिल्ली

सुश्री लीला एग्नेस,
होली क्रॉस सोसाइटी, बैंगलोर

सुश्री फेयरलेन सोजी,
क्रिस्टोफ़ेल ब्लाइंडन मिशन (सीबीएम) भारत, बैंगलोर

श्री शिशिर कुमार,
नमन जबलपुर, मध्य प्रदेश

सुश्री मेघना कश्यप,
मनोवैज्ञानिक, बैंगलोर

श्री भरत जोशी,
प्रबंधक, ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन, अहमदाबाद

श्री जगन्नाथ मल्लिक,
ऑर्थो– प्रोस्थेटिक इंजीनियर, ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन, अहमदाबाद

कार्यक्रम समन्वयक :

श्री संदीप ठाकुर, एसीई, आरसीआई

विषय–सूची

प्रस्तावना 1

सीबीआईडी सक्षमताएं 2

प्रगामी सक्षमता की परिकल्पना 3

चरण दो और तीन में अधिगम और शिक्षण 5

कार्यस्थल – आधारित अधिगम 5

कार्यस्थल – आधारित शिक्षण 6

चरण तीन को पूरा करने के लिए आवश्यकताएं 7

उपस्थिति : 7

आकलन प्रक्रिया : 7

चरण तीन की व्याख्यात्मक टिप्पणियों की सूची (ईएन) 10

चरण तीन के असाइनमेंट/ कार्यों की सूची 11

प्रेक्षणमूलक आकलन 12

निर्देश और अंक समंकन निर्देशिका 19

चरण तीन समय–सारणी – माह 1 23

चरण तीन समय–सारणी – माह 2 24

चरण तीन सत्र योजनाएं 25

सप्ताह 17 27

सप्ताह 18 40

सप्ताह 19 45

सप्ताह 20 53

सप्ताह 21 62

सप्ताह 22 66

सप्ताह 23 71

सप्ताह 24 76

प्रस्तावना

समुदाय आधारित समावेशी विकास (सीबीआईडी) छः माह की अवधि का पूर्णकालिक सक्षमता–आधारित व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम है।

यह पाठ्यक्रम 24 सप्ताह की अवधि का है – प्रत्येक सप्ताह मे 30 घंटे शामिल हैं (6 घंटे/दिन)। सक्षमता–आधारित पाठ्यक्रम की अपेक्षाओं के ही अनुरूप, अभ्यास : सिद्धांत अनुपात 60:40 है।

यह पाठ्यक्रम तीन प्रमुख निष्पादन क्षेत्रों (के पी ए) को कवर करता हैं :

1. **समावेशी समुदाय विकास (आईसीडी)** – 40 प्रतिशत आबंटन,
2. **आकलन और हस्तक्षेप (ए एंड आई)** – 40 प्रतिशन आबंटन, और
3. **व्यावसायिक व्यवहार और चिंतनशील अभ्यास (पीबी एंड आरपी)** – 20 प्रतिशन आबंटन।

[1]90 मिनट की अवधि के एक परिकल्पित सत्र का सुझाव दिया जाता है, जो प्रतिदिन 4 सत्र उपलब्ध कराएगा (20 सत्र/सप्ताह = 480 सत्र)। सत्रों को आवश्यकता अनुसार कम किया अथवा बढ़ाया जा सकता है, बशर्ते कि सप्ताह के लिए आबंटन को अनुरक्षित किया जाए।

सीबीआईडी सक्षमताएं

तीन के पी ए के अंतर्गत, सक्षमता की 11 इकाइयां हैं :

समावेशी समुदाय विकास	आकलन और हस्तक्षेप	व्यावसायिक व्यवहार और चिंतनशील अभ्यास
1. समुदाय–आधारित समावेशी विकास और उसके प्रभावों के अनुप्रयुक्त ज्ञान को प्रदर्शित करता है	1. अनुभव, विधि और समकालीन समझ में असमर्थतता का अनुप्रयुक्त ज्ञान प्रदर्शित करती है	1. अपेक्षाओं और आवश्यकताओं की पूर्ति करती है
2. समुदाय को शामिल करता है और उसकी रूपरेखा प्रदर्शित करता है	2. आकलन और आयोजना संचालित करती है	2. कार्यों और जिम्मेदारियों को संगठित करती है और उनका प्रबंधन करती है
3. सरकारी संरचनाओं के साथ काम करता है	3. ज्ञान, संपर्कों और निर्देशनों को सुकर बनाती है	3. वैयक्तिक कुशलता और सतत् शिक्षा अनुरक्षित करती है
4. समुदाय नेतृत्व और कार्यवाहियों को समर्थन देता है	4. सहयोग करती है और बहु–क्षेत्रीय हस्तक्षेप प्रदान करती है	

सक्षमता की ये इकाइयां ज्ञान, कौशल, अभिवृत्ति और मूल्यों के ऐसे व्यापक सेट हैं जिनके विषय में भारत के सीबीआईडी विशेषज्ञ यह विचार रखते हैं कि क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित सीबीआईडी प्रदान करनी चाहिए।

प्रगामी सक्षमता की परिकल्पना

समूचे पाठ्यक्रम के दौरान सक्षमता मे उत्तरोतर वृद्धि होती है :

यह पाठ्यक्रम तीन चरणों में आयोजित किया जाता है, जिसमें लगातार आगे बढ़ने की सक्षमता की अपेक्षा के साथ–साथ शिक्षण और अधिगम के प्रशिक्षण स्थल और प्रकृति की शर्त प्रतिबिबित होती है। चरण तीन में प्रशिक्षण के अंतिम आठ सप्ताह शामिल हैं, जब प्रशिक्षु न्यूनतम सक्षमता से अभ्यास की ओर बढ़ रहे होते हैं– जो ऐसा स्तर है जिसकी पूर्ति उन्हें स्नातक होने के लिए करनी ही होगी। इस चरण के दौरान, जिसमें विभिन्न प्रकार के अनुप्रयुक्त इनपुट के दो सप्ताह और कार्य के दौरान प्रशिक्षण के छह सप्ताह शामिल हैं, पर्यवेक्षित क्षेत्रीय कार्य और दत्त–कार्य पूर्णता शिक्षण का प्रमुख तरीका है और इसका स्थल एक सीबीआईडी (आरसीआई–प्रमाणित) कार्यस्थल है।

चरण तीन की समाप्ति पर हासिल किए जाने वाले अपेक्षित मानक इस प्रकार हैं :

के पी ए	सक्षमता मानक
समावेशी समुदाय विकास	इस स्तर पर, प्रशिक्षु ग्रामीण स्तर पर अनुपालन की रिपोर्ट करते हैं तथा स्वतंत्र रूप से शिक्षित होते हैं और ग्रामीण पदाधिकारियों, बाह्य सेवा प्रदाताओं, और ब्लॉक स्तर के नेताओं को उनकी जिम्मेदारियों के बारे में बताते हैं। वे शिविरों और अभियानों को स्वतंत्र रूप से चलाने के लिए अधिकारियों से आवश्यक निर्देश प्राप्त करते हैं और गाँव में बाहरी संसाधनों को सफलतापूर्वक ला सकते हैं। वे प्रासंगिक कानून के सतर्क अनुप्रयोग के माध्यम से सामुदायिक परिवर्तन को सुकर बनाते हैं। वे अलिखित महत्वपूर्ण नियमों और विभिन्न सामुदायिक समूहों में प्रचलित धारणाओं सहित दिव्यांगता पर विभिन्न सामुदायिक दृष्टिकोणों की पहचान और तुलना करते हैं, और इनका उपयोग अधिक प्रासंगिक, उत्तरदायी और सशक्त तरीकों से समावेशन के लिए वार्तालाप के लिए कर सकते हैं। प्रशिक्षु पीआर, के माध्यम से समुदाय का संचालन और मार्गदर्शन करने में सक्षम हैं। वे दिव्यांग समूहों और डीपीओ को सहयोग करते हैं और क्षमता का निर्माण करते हैं, जिससे वे अधिक दृढ़संकल्प बनाते हैं और स्व–निर्देशित हिमायत में समर्थ होते हैं।

के पी ए	सक्षमता मानक
आकलन और हस्तक्षेप	इस स्तर पर, प्रशिक्षु मानसिक रोग सहित दिव्यांगता की पहचान करने के लिए दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम में निर्दिष्ट 21 दिव्यांगताओं के बारे में अपनी समझ का प्रयोग करते हैं, तथा स्वतंत्र रूप से कार्यात्मक आकलन पूरा करते हैं, सटीकता को प्रभावित करने वाली परिस्थितियों में फैक्टरिंग करते हैं। रिपोर्टिंग में, वे नई आवश्यकताओं के लिए रूपों को अनुकूलित करते हैं। वे परिवार में सहयोगात्मक लक्ष्य निर्धारण और योजनागत निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करते हैं, जिससे अधिक स्वतंत्रता और कौशल–विकास की योजनाओं के प्रतिरोध पर नियंत्रण पाया जा सके। प्रशिक्षु हस्तक्षेप योजनाओं में प्रभावी रूप से व्यक्तिगत और पारिवारिक ताकतों को शामिल करते हैं और अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपने मौजूदा संसाधनों का उपयोग करने में परिवार के संसाधनों को सुविधा प्रदान करते हैं। वे उचित भावनात्मक समर्थन प्रदान करते हैं और व्यक्तिगत और परिवार की जरूरतों के समग्र मूल्यांकन पर प्रभाव डालने वाले बाहरी कारकों की समझ के प्रत्युत्तर में अपने स्वयं के व्यवहार को समायोजित करते हैं। व्यक्तियों/परिवारों के साथ उनके जुड़ाव का अनुभव सशक्त बनाने के रूप में किया जाता है। प्रशिक्षु स्वतंत्र रूप से प्रभावी प्रति–सेक्टोरल हस्तक्षेप करते हैं और समुदाय में दूसरों को प्रशिक्षित करते हैं।
व्यावसायिक व्यवहार और चिंतनशील अभ्यास	इस स्तर पर, प्रशिक्षु दीर्घकालिक लक्ष्यों पर विचार करते हैं और स्वतंत्र रूप से बदलती आवश्यकताओं का प्रबंधन करते हैं। वे सकारात्मक कुशलता–संबंधी प्रथाओं में लगे हुए हैं और सक्रिय रूप से दूसरों की भलाई का समर्थन करते हैं तथा सीबीआईडी कार्यस्थल में कुशलता–संबंधी प्रथाओं को प्रोत्साहित करते हैं। वे दल के लक्ष्यों और कारण के प्रभावी हिमायती हैं। विरोधी दृष्टिकोण के साथ व्यवहार करते समय वे निष्पक्षता प्रदर्शित करते हैं। वे नए अभ्यास निर्देशों और एसपीओ में बदलाव तथा उच्च पेशेवर मानकों के रखरखाव और कमजोर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने अभ्यास को शामिल करते हैं। वे अपनी विशिष्ट जरूरतों और भूमिका की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर शिक्षण को स्रोत बनाते हैं और उसका संचालन करते हैं।

चरण दो और तीन में शिक्षण और अधिगम

कार्यस्थल – आधारित अधिगम

सीबीआईडी प्रशिक्षण के तीसरे चरण में प्रवेश करने वाले प्रशिक्षुओं को दो महीने में प्रगामी प्रारंभक से 'सक्षम' चरण में प्रवेश करना चाहिए। इस लक्ष्य की चुनौती को पूरा करने के लिए, उनके कार्य अनुभव में निम्नलिखित विशेषताएं होनी चाहिए :

– **कार्य टास्क विविधता** – नए शिक्षण के लिए विविध कार्यभार और निरंतर अवसर दोनों ही,

– **कार्य–कौशल मिलान** – मौजूदा ज्ञान और कौशल, दोनों का पूरी तरह से उपयोग करना, उचित कार्य मात्रा मांग करना, और वर्तमान स्तर से आगे और सुधार करने के लिए एक 'उचित अधिकार' प्रदान करना,

– **अर्थपूर्णता** – ऐसे कार्य जो कार्यस्थल के अन्य सदस्यों द्वारा निर्भर हैं और दल की समग्र प्रभावकरिता में योगदान करते हैं,

– **स्वायत्तता** – इस संबंध में अधिकार देना कि कार्यों को कैसे किया जाता है और मात्र उनकी क्षमता के भीतर कार्यों को पूरा करने के लिए उन पर विश्वास रखना,

– **प्रतिपुष्टि** – उनके प्लेसमेंट ट्रेनर के साथ मिलने के लिए नियमित अवसर और नियमित रूप से लिखित प्रतिपुष्टि। अनुसंधान से पता चला है कि कार्य अनुभव का शिक्षण लाभ उस पर निर्देशित प्रतिबिंब के माध्यम से मजबूत होता है। इसे ज्ञान के तीन आयामों–उसे जानना, कैसे को जानना, और क्यों[2] को जानना, को संपोषित करने की क्षमता के कारण "गुप्त" कहा जाता है,

– **सहकर्मी सहयोग** – दल के सदस्य जो 'गहन चिंतन' करते हुए प्रसन्न होते हैं, क्योंकि वे एक समस्या को हल करते हैं और जो प्रशिक्षु के सीबीआईडी अनुकूलन का समर्थन करते हैं :

– प्लेसमेंट ट्रेनर की व्यावसायिक सक्षमता और विचारात्मक व्यवहार पर (अर्थात प्रशिक्षु को अपेक्षाओं को निम्न करने और निर्देश देने वाले बनने के स्थान पर त्रुटियों के लिए नए समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित करना;

---

[2]Hauschildt (2018). A review of methodologies for measuring the costs and benefits of in-company apprenticeship training. International Labour Office Discussion Paper.

वह रूचि ले तथा उपलब्ध रहे लेकिन अति–सुरक्षात्मक न हो, जो व्यावसायिक आत्म–प्रभावोत्पादकता विकास को धीमा करता है)। यह प्लेसमेंट ट्रेनर की क्षमता है जो मुख्य रूप से प्रशिक्षु क्षमता विकास को प्रभावित करता है।

कार्यस्थल – आधारित शिक्षण

चरण दो/तीन सीबीआईडी प्रशिक्षण प्रदान करने वाले सीबीआईडी कार्मिकों के पास यह होना चाहिए :

– सीबीआईडी व्यावसायिक ज्ञान,

– सीबीआईडी क्षेत्र का अनुभव,

– प्रशिक्षण भूमिका के लिए व्यक्तिगत झुकाव,

– युवाओं के प्रति और प्रशिक्षण के माध्यम उनके विकास के लिए एक समर्पण,

– हालांकि औपचारिक योग्यताएं अनिवार्य नहीं है, लेकिन व्यावसायिक रूप से शिक्षा के लिए कुछ शैक्षणिक प्रशिक्षण और अनुशंसित भूमिकाओं पर व्यवस्थित प्रतिबिंब की अनुशंसा की जाती है,

– जबकि यह कोई आवश्यकता नहीं है, दिव्यांगता का जीवंत अनुभव प्राप्त हो– व्यक्तिगत या परिवार में, या वंचितों या हाशि, पर होने के अन्य संवेदनशील अनुभव लाभदायक होगा,

– चूंकि चरण दो/तीन 60–80 प्रतिशत प्रशिक्षण कार्यस्थल आधारित (3–4 दिन/सप्ताह) है, और इसके लिए वास्तविक कार्य स्थितियों तक पहुँच आवश्यक है, चरण दो/तीन प्लेसमेंट ट्रेनर वर्तमान सीबीआईडी कर्मचारी होने चाहिए जो अपने नियमित कार्य और कर्तव्यों के साथ–साथ अंशकालिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि उनके कार्य सप्ताह का एक उपयुक्त आवंटन प्रशिक्षक के रूप में उनकी गतिविधियों के लिए उपलब्ध है, उन्हें एक समय में तीन से अधिक प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित नहीं करना चाहिए।

– प्लेसमेंट ट्रेनर मुख्य रूप से एक प्रशिक्षण साथी, एक प्रशिक्षक, एक रोल मॉडल के रूप में कार्य करता है, जिसके शब्द और व्यवहार एक यूनिट का निर्माण करते हैं, और प्रशिक्षण प्रक्रिया में एक "सहायक समर्थक" बनते हैं। वे प्रशिक्षु के साथ समान स्तर पर संवाद करते हैं लेकिन फिर भी "एक दूसरे को जानते" हैं। प्रशिक्षक के रूप में, प्लेसमेंट ट्रेनर के काम की एक मुख्य प्रक्रिया प्रशिक्षु के साथ मिलकर समाधान तैयार करना है। निर्देशनात्मक शिक्षण शैलियों और मुख्य रूप से निष्क्रिय प्रशिक्षुओं को शामिल करते हुए शिक्षण के स्वरुप इस भूमिका के लिए उपयुक्त नहीं हैं और इसलिए इसमें शामिल नहीं होना चाहिए।

चरण तीन पूर्ण करने के लिए अपेक्षाएं

उपस्थिति :

समस्त सिद्धांत घटक कार्य के लिए न्यूनतम उपस्थिति 80 प्रतिशत और सभी प्रयोगात्मक घटकों के लिए यह 90 प्रतिशत जरूरी है। सभी का एक पूर्णता प्रमाण पत्र संस्थान के प्राचार्य/प्रमुख द्वारा प्रमाणित किया जाना होता है जिसमें प्रशिक्षु नामांकित है।

आकलन की प्रक्रिया

चरण तीन के दौरान आकलन (प्रारंभिक मूल्यांकन)

चूंकि यह एक क्षमता–आधारित पाठ्यक्रम है, इसलिए आकलन–योग्य कार्यों को सक्षमता विकास का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसलिए वे वास्तविक कार्य स्थितियों पर आधारित हैं और इसी आधार पर संचालित किए जाते हैं तथा इसमें करने से सीखना और अभ्यास को प्रतिबिंबित करना शामिल है। ये निर्माणात्मक आकलन चार प्रकार के होते हैं, और प्रशिक्षु द्वारा चरण तीन स्तर उत्तीर्ण करने के लिए इन सभी को संतोषजनक ढंग से उत्तीर्ण किया जाना चाहिए। चूंकि प्रशिक्षु सीखने के अपने अंतिम चरण में होते हैं, गुणवत्तापूर्ण कार्य की अपेक्षाएं आकांक्षात्मक होनी चाहिए :

बाधात्मक कार्य

बाधात्मक कार्यों को उपस्थिति और भागीदारी से प्राप्त किया जाता है। हालांकि पाठ्यक्रम की सभी गतिविधियों को बाधात्मक कार्यों के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है, कुछ को सीबीआईडी क्षेत्रीय कार्य के महत्वपूर्ण पहलुओं के प्रतिनिधि के रूप में ध्यान केंद्रित करने के लिए चुना गया है। **इन बाधात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने की पुष्टि करने के लिए प्रशिक्षकों को एक मार्किंग गाइड तैयार करनी चाहिए।**

जर्नल कार्य

जर्नल कार्यों के लिए सारांश, औपचारिक टिप्पणियां प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है जिनमें महत्वपूर्ण सीबीआईडी कार्यों और जिम्मेदारियों के निर्वहन पर शिक्षण और प्रतिबिंबन को सारांशित किया जाता है। **प्रशिक्षक और प्लेसमेंट पर्यवेक्षकों को इन प्रविष्टियों को पढ़ना चाहिए और किसी भी मुद्दे या चिंता पर चर्चा करने के लिए प्रशिक्षु के साथ बैठना चाहिए।**

पोर्टफोलियो परियोजना

पोर्टफ़ोलियो परियोजना सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के दौरान प्रशिक्षु कार्य से लेकर आधिकारिक सरकारी दस्तावेज़ों, मामला–संबंधित नयाचारों और सीबीआईडी क्षेत्रीय–कार्य का समर्थन करने वाले संसाधनों और उपकरणों के संकलन और उनकी व्याख्या करने का कार्य करती है। इन दस्तावेजों के प्रशिक्षु संग्रहण और उन्हें दाखिल करने की प्रत्येक सप्ताह जांच की जाती है, और पोर्टफोलियो परियोजना के हिस्से के रूप में एक उप–समुच्चय दिया जाता है। यह प्रस्तुतीकरण एकल दस्तावेज 'प्रस्तुत की गयी (डिजिटली या हार्डकॉपी), होगा जिसमें चार कार्य हैं –

1. दिव्यांगजनों से संबंधित कानून, नीतियों, अधिकारों और उनका लाभ उठाने की प्रक्रियाओं के बारे में आधिकारिक दस्तावेजों का एक **संसाधन फ़ोलियो। इन संसाधनों को इकट्ठा करने और सही ढंग से दायर करने की पुष्टि करने के लिए प्रशिक्षकों को एक मार्किंग गाइड तैयार करनी चाहिए।**

2. नीतियों और प्रक्रियाओं से संबंधित प्रशिक्षु के स्थानीय समुदाय की विशिष्ट **रिपोर्टिंग और रेफरल नयाचार**# क में उल्लिखित है। इन संसाधनों को एकत्र करने और सही ढंग से दाखिल करने की पुष्टि करने के लिए प्रशिक्षकों को एक मार्किंग गाइड तैयार करनी चाहिए।

3. संसाधन और उपकरण– अपने सीबीआईडी क्षेत्रीय कार्य प्लेसमेंट में शामिल नौ (9) मुद्दों का चयन करें – तीन (3) समावेशी सामुदायिक विकास तथा समूहों और सामुदायिक क्षेत्रों के साथ काम करने के लिए, तीन (3) आकलन और पुनर्वास के लिए कार्य करने वाले व्यक्तियों और परिवारों के लिए, और तीन (3) व्यावसायिक व्यवहार और प्रतिबिंबित की जाने वाली प्रक्रिया के लिए। पहचाने गए प्रत्येक मुद्दे के लिए –

   क) 2–3 विभिन्न संसाधनों और उपकरणों की एक व्याख्यात्मक सूची संकलित करें (कुल 18–27) :

   – समावेशी सामुदायिक विकास के लिए छः (6),

   – मूल्यांकन और हस्तक्षेप के लिए छः (6), और

   – व्यावसायिक व्यवहार और प्रतिबिंबकारी प्रक्रिया के लिए छः (6)।

   संसाधनों और उपकरणों के उदाहरण में शामिल हैं– सूचना पत्रक, प्रश्नावलियां, क्रियाकलाप, फ्लैश कार्ड, वेबसाइट, किताबें, मीडिया, आदि।

   उनके उपयोग के लिए विशिष्ट संदर्भ हो सकते हैं– विभिन्न सामुदायिक सेटिंग्स, आयु समूह या दिव्यांगता स्थितिय 1–1 या समूह संसाधन और उपकरण, या समूह और कार्यस्थल के कामकाज का समर्थन करने वाले संसाधन और उपकरण।

   ख) वर्णन करें कि कैसे/कहाँ/कब/क्यों आप अपनी भूमिका के हिस्से के रूप में प्रत्येक विशिष्ट संसाधन का उपयोग कर सकते हैं– अतिसक्रिय और प्रतिक्रियाशील, दोनों ही उपयोगों पर विचार करते हुए।

   प्रशिक्षकों को इन संसाधनों के माध्यम से यह पता लगाना चाहिए कि प्रशिक्षु यह जांचने के लिए एकत्र हुए हैं कि वे उद्देश्य के लिए फिट हैं और आवश्यकता के लिए उपयुक्त हैं।

4. **लघु उत्तर लिखित प्रतिक्रियाएं**– व्याख्यात्मक टिप्पणी नियमावली से ली गई हैं (**कृपया ध्यान दें** : इस पाठ्यक्रम में शिक्षण की योग्यता– आधारित प्रकृति को बनाए रखने के लिए, प्रशिक्षुओं को स्व–शिक्षण सामग्री (एसएलएम) नहीं दी गई है, लेकिन प्रशिक्षकों को **व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ (ईएन)** प्रदान की गई हैं ताकि उन्हें पोर्टफोलियो परियोजना– भाग घ) के लघु उत्तर लिखित प्रतिक्रया खंड को तैयार करने और जांचने में मद्द प्रदान की जा सके। **प्रशिक्षकों को अपने के पी ए के लिए व्याख्यात्मक टिप्पणियों का अध्ययन करना चाहिए तथा सबसे महत्वपूर्ण विषयों को कवर करते हुए अभ्यास–प्रासंगिक प्रश्नों का एक सेट तैयार करना चाहिए। एक सुझाव प्रति सप्ताह प्रति विषय 1–2 प्रश्न हैं।** उदाहरण के लिए आईसीडी 1.1.1.2– समुदाय में विविधता से लिया गया प्रश्न है :

> *''समुदाय के सभी सदस्य एक ही संस्कृति या भाषा की पृष्ठभूमि से नहीं आते हैं। उनके 'सदमे' और 'इससे निपटने के तरीके' अलग–अलग हो सकते हैं। क) दो अलग–अलग 'सदमों' की पहचान करना जो आपके समुदाय में दिव्यांगजनों द्वारा सांस्कृतिक, जातीय या भाषा के अंतर के आधार पर सामना किए जाने की संभावना है; ख) प्रत्येक सदमे के साथ 'विपदा निवारण के विभिन्न तरीकों' का वर्णन करना; ग) अपने समुदाय में दिव्यांगजनों और परिवारों की विशिष्ट सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दो तरीकों की चर्चा करना (एक या दो पैराग्राफ में)।*

असाइनमेंट कार्य

समावेशी सामुदायिक विकास विषय के लिए तीन प्रमुख असाइनमेंट चरण 2 और 3 में संचालित किए जाते हैं। इन असाइनमेंट के लिए आवश्यकताओं और निर्देशों को सत्र योजनाओं में प्रदान किया जाता है। ये हैं :

1. परामर्श अभियान तैयार करना और संचालित करना (चरण दो ब्लॉक 1) – 4 सप्ताह
2. पीआरए/पीएलए (चरण दो ब्लॉक 2) का संचालन – 4 सप्ताह
3. सामुदायिक समावेशन परियोजना (चरण तीन) का संचालित करना – 8 सप्ताह।

चरण तीन के अंत में मूल्यांकन (योगात्मक मूल्यांकन)

चरण तीन – पाठ्यक्रम का समापन के अंत में, उस परिमाण को स्थापित करने के लिए योगात्मक मूल्यांकन किया जाता है जिस तक प्रशिक्षु ने अभ्यास के लिए न्यूनतम सक्षमता हासिल की है। यदि यह मानक प्राप्त नहीं हो पाया है, तो कौशल को मजबूत करने और पुनःआकलन के विवरणों को अतिरिक्त समय और सहयोग देने के लिए प्रशिक्षु और प्रशिक्षण प्रदाता के बीच में एक निर्णय लेने की आवश्यकता होती है।

योगात्मक मूल्यांकन एक बहु–विकल्प **प्रेक्षणात्मक आकलन** है जिसे प्रशिक्षक प्लेसमेंट पर प्रशिक्षु के अपने ज्ञान से पूरा करता है। यह एक ऐसा अंक प्राप्त करता है जो प्रशिक्षु को उनकी वर्तमान क्षमता के स्तर पर नियुक्ति में सक्षम बनाता है। निर्देश स्पष्ट करते हैं कि चरण तीन स्तर पर प्रशिक्षु के लिए क्या आवश्यकता है और इस पाठ्यक्रम की शुरुआत में प्रशिक्षुओं को प्रदान किया जाना चाहिए तथा नियमित रूप से संदर्भित किया जाना चाहिए। यह स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद चल रहे शिक्षण को आगे जारी रखने के लिए पाठ्यक्रम और क्षमता में उनके परस्पर संबंधो का समर्थन करेगा।

चरण तीन की व्याख्यात्मक टिप्पणियों (ईएन) की सूची

आकलन और हस्तक्षेप :

शीर्षक 22 निर्दिष्टीकरण – एकल खिड़की सेवा प्रावधान

शीर्षक 24 समुदाय स्तर के हस्तक्षेप

शीर्षक 25 चिकित्सा उपचारात्मक हस्तक्षेप और विकल्प

शीर्षक 30 स्वदेशी उपकरण

शीर्षक 31 मरम्मत और अनुरक्षण

शीर्षक 35 मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे

शीर्षक 36 मानसिक स्वास्थ्य

शीर्षक 37 समायोजन चक्र और निपटान तंत्र

व्यावसायिक व्यवहार और चिंतनशील अभ्यास

शीर्षक 9 कार्यस्थल सुरक्षा

शीर्षक 10 महिलाओं की सुरक्षा और कुशलता

शीर्षक 15 नकारात्मक प्रतिक्रियाओं को प्रबंधित करना

शीर्षक 17 समय प्रबंधन और समय पर रिपोर्टिंग

शीर्षक 18 आपदा तैयारियां

शीर्षक 19 बैठक की रिपोर्टें

शीर्षक 21 नकारात्मक परिणामों का प्रबंधन

शीर्षक 22 भावनात्मक स्वास्थ्य और नकारात्मक भावनाओं को प्रबंधित करना

शीर्षक 23 सुरक्षित यात्रा

शीर्षक 24 स्व–आकलन और सतत् शिक्षण

समावेशी समुदाय विकास

शीर्षक 8 समुदाय की कार्रवाइयों का समर्थन करना

शीर्षक 9 स्थानीय नेतृत्व और समूह

चरण तीन में असाइनमेंटों/ कार्यों की सूची

चरण तीन ब्लॉक 1

आईसीडी

1. सप्ताह 17 : 4.2.3 **असाइनमेंट** – समुदाय परियोजना
2. सप्ताह 17 : 3.1.2.3 **असाइनमेंट** – हिमायत प्रस्तुतीकरण
3. सप्ताह 17 : 3.1.2.4 **असाइनमेंट** – परिवर्तन के सिद्धांत का निर्धारण
4. सप्ताह 18 : 4.2.3 **असाइनमेंट** – समुदाय परियोजना
5. सप्ताह 19 : 4.2.3 **असाइनमेंट** – समुदाय परियोजना
6. सप्ताह 20 : 3.1.2.3 **असाइनमेंट** – हिमायत प्रस्तुतीकरण
7. सप्ताह 20 : 4.2.3 **असाइनमेंट** – समुदाय परियोजना
8. सप्ताह 21 : 4.2.3 **असाइनमेंट** – समुदाय परियोजना
9. सप्ताह 22 : 4.2.3 **असाइनमेंट** – समुदाय परियोजना

ए एंड आई

1. सप्ताह 17 : 4.6.1.1 **पोर्टफोलियो** – समुदाय में मानसिक रोग से पीड़ित लोगों की सहायता के लिए संसाधन
2. सप्ताह 17 : 4.3.2.1 **पोर्टफोलियो** – स्वदेशी सहायक उपकरण बनाना
3. सप्ताह 18 : 4.7.1.2 **जर्नल** – परिवारों के साथ हस्तक्षेप पर अभिव्यक्ति व्यक्त करना
4. सप्ताह 18 : 4.7.2.2 **जर्नल** – किसी परिवार के निपटान तंत्र का दस्तावेजीकरण
5. सप्ताह 22 : 4.4.2.3 **पोर्टफोलियो** – एडीएल प्रशिक्षण योजना विकसित करना
6. सप्ताह 23 : 4.5.2.3 **पोर्टफोलियो** – वैकल्पिक संचार बोर्ड विकसित करना

पीबी एंड आरपी

1. सप्ताह 17 : 3.1.2.2 **पोर्टफोलियो** – महिलाओं की सुरक्षा और कुशलता
2. सप्ताह 17 : 2.1.1.3 **पोर्टफोलियो** और **जर्नल** – एक सप्ताह के लिए कार्य योजना विकसित करना
3. सप्ताह 19 : 3.2.1/3.2.2 **पोर्टफोलियो** – स्व–आकलन और सतत् शिक्षण

प्रेक्षणमूलक आकलन

(योगात्मक)

चरण 1, 2 और 3 की समाप्ति पर इस उपकरण का प्रयोग करते हुए प्रशिक्षु के कार्य–निष्पादन का मूल्यांकन किया जाता है

अनुदेश : प्रत्येक प्रश्न के लिए, कृपया केवल एक ही उत्तर का चयन करें। आप जिस भी उत्तर का चयन करते हैं, वह इस सीबीआईडी क्षेत्रीय–कार्यकर्ता के विशिष्ट निष्पादन से निकटतम मेल खाना चाहिए अथवा आप क्या समझते हैं कि यह क्षेत्रीय–कार्यकर्ता क्या कर पाने में समर्थ है। यदि आप समझते हैं कि कार्य–निष्पादन दोनों स्तरों के बीच आता है, तो निम्नतर का चयन करें। यह दर्शाएगा कि क्षेत्रीय–कार्यकर्ता ने स्तर तो प्राप्त कर लिया है, परंतु वह उच्चतर स्तर तक नहीं पहुंच पाया है।

प्र.1. समुदाय विकास और सीबीआईडी को समझता है

क) समुदाय में समावेशन की बाधाओं और उसके सिद्धांतों को परिभाषित करता है

ख) दिव्यांगता और दिव्यांगता समावेशन के अनुभव पर पृष्ठभूमि के प्रभाव का वर्णन करता है

ग) नकारात्मक समुदाय दृष्टिकोण और दृष्टिकोण का मुकाबला करने के लिए तर्क विकसित करता हैं

घ) दिव्यांगता और समावेशन पर विभिन्न सामुदायिक दृष्टिकोणों की तुलना करता है

प्र.2. दिव्यांगता की स्थितियों (परिभाषाएं, कारण) को समझता है

क) गलत या अंधविश्वासी समझ का मुकाबला करने के लिए दिव्यांगता के कारणों का वर्णन कर सकता है

ख) आरपीडी अधिनियम, 2016 के तहत 21 दिव्यांगताओं की मुख्य विशेषताओं का वर्णन करता है

प्र.3. सांविधिक प्रावधानों को समझता है

क) कुछ प्रासंगिक वैधानिक कानूनों, प्रावधानों और प्रक्रियाओं और उनके संबंधों के बारे में वर्णन करता है

ख) स्थिति के लिए सही वैधानिक प्रावधान और प्रक्रिया को लागू करता है

ग) कानून का उपयोग करके सामुदायिक अवसंरचना/अभ्यास के लिए प्रस्तावित समायोजन/परिवर्तन को उचित ठहराता है

प्र.4. पृष्ठभूमि के अंतरों (सामाजिक–आर्थिक, लिंग, जाति, धर्म) और उनके प्रभावों को समझता है

क) ऐसे कारकों का वर्णन करता है जो समुदायों द्वारा दिव्यांगजनों के समावेशन में बाधा उत्पन्न करते और उसमें योगदान देते हैं

ध) स्थितियों को प्रभावित करने वाले 'सामाजिक–आर्थिक/लिंग/जाति/धार्मिक, कारकों के परस्पर संबंध को पहचानता है

ग) विभिन्न समूहों के अलिखित आधारभूत नियमों का उपयोग करते हुए, सभी के लाभ के लिए बातचीत करता है

प्र.5. दिव्यांगताओं के बीच विभेद करता है

क) स्वाभाविक दिव्यांगता (जैसे, दृष्टि/श्रवण/स्पष्ट शारीरिक दिव्यांगता) के बीच अंतर करता है।

ख) कम स्वाभाविक स्थितियों (जैसे, विकासात्मक दिव्यांगता, अन्य तंत्रिका–संबंधी रोग) की पहचान करता है

ग) मानसिक रोग की संभावना की पहचान करता है उसके लिए तर्काधार देता है।

प्र.6. कार्यात्मक आकलन निष्पादित करता है

क) निर्देश के अनुसार बुनियादी जांच–सूची को पूरा करता है

ख) उपयुक्त जांच–सूची का चयन और प्रयोग करता है

ग) उन सभी परिस्थितियों में समायोजन करती है जो मूल्यांकन सटीकता को प्रभावित कर रही हैं

प्र.7. आकलन के निष्कर्षों को सूचित करता है

क) निम्न–स्टेक की जानकारी सही–सही प्रदान करता है (सूचना सकारात्मक/प्रभाव में तटस्थ)

ख) प्राप्तकर्ता की भावनात्मक भलाई को ध्यान में रखते हुए संवेदनशील जानकारी का संचार करता है

ग) प्रतिरोधी हितधारकों के साथ आश्वस्त रूप से बातचीत करता है

प्र.8. परिवार/संबंध संरचनाओं और गतिशीलता को पढ़ता है

क) दिव्यांगजनों के साथ रहने वाले लोगों और परिवारों से जुड़ने पर अपेक्षित सामाजिक मानदंडों का पालन करता है

ख) दिव्यांगजनों के साथ रहने वाले लोगों और परिवारों के प्रति सम्मानजनक और सहायक व्यवहार प्रदर्शित करता है

ग) परिवार/रिश्ते की गतिशीलता में मुख्य/महत्वपूर्ण मुद्दों और विशेषताओं की पहचान करता है

घ) अपनी कार्रवाई को परिवार/संबंध की स्थिति की आवश्यकता के आधार पर परिवर्तित करता है (जैसे ऐसी स्थिति को बदलने के लिए ऐसा शक्ति–आधारित दृष्टिकोण अपनाता है जो निराशाजनक लगता है)

प्र.9. लक्ष्य और योजना निर्धारित करने के लिए परिवार की योग्यता और प्रभावकारिता विकसित करता है

क) दिव्यांगजनों और उनके परिवारों के साथ व्यवहार में एक निर्देशात्मक, कार्योन्मुख तरीके से कार्य करता है

ख) परिवार/संबंध के साथ सहयोगात्मक विचार–विमर्श की सुविधा देता है

ग) परिवार/संबंध में सहयोगात्मक निर्णय लेने की सुविधा देता है

घ) अपने स्वयं के व्यवहार का विश्लेषण करता है और इसे व्यक्तियों और परिवारों को और सशक्त बनाने के लिए समायोजित करता है

प्र.10.आस्तियों, क्षमताओं और ताकतों की पहचान करता है

क) क्षमता–आधारित दृष्टिकोण की जानता है

ख) कार्यात्मक मूल्यांकन में आस्तियों और क्षमता के बारे में प्रश्न शामिल हैं

ग) योजना में व्यक्ति/परिवार की शक्तियों के बारे में निष्कर्षों की व्याख्या और उन्हें शामिल करता है

प्र.11.संचलन और शारीरिक क्षमताओं में वृद्धि करता है

क) संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों द्वारा निर्धारित गतिविधियों/अभ्यासों के अनुसार अनुसरण करता है

घ) गतिशीलता और शारीरिक क्षमता का समर्थन करने के लिए सहायक उपकरणों का सही उपयोग सुनिश्चित करता है

ग) शारीरिक पहुँच में सुधार के लिए घरेलू संशोधनों का सुझावा देता है

घ) किसी व्यक्ति के लिए समुदाय (परिवहन सहित) में अधिक से अधिक भौतिक पहुँच की सुविधा देता है

ङ) सार्वभौमिक डिजाइन पहुंच सिद्धांतों और प्रथाओं के समुदाय–व्यापी अंगीकरण के हिमायत करता है

प्र.12.सामाजिक, भावनात्मक और नैसर्गिक विकास और प्रारंभिक शिक्षण में वृद्धि करता है

क) समुदाय में परिवार द्वारा सामाजिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है

ख) उपलब्ध प्रारंभिक शिक्षण संसाधनों के बारे में परिवार को सूचित करता है

ग) विकास और शिक्षण के लिए जो उपलब्ध है उसका उपयोग करने में पारिवारिक संसाधन शीलता को सुगम बनाता है

प्र.13.आधारभूत सहायक और पुनर्वास उपकरणों के प्रयोग में प्रशिक्षण देता है

क) साधारण तकनीक से परिवार के सदस्यों को प्रशिक्षित करता है (जैसे, मानव गाइड)

ख) सहायक प्रौद्योगिकी के उपयोग में प्रशिक्षित करता है (जैसे, गतिशीलता उपकरण, संचार उपकरण)

ग) समुदाय में अन्य हितधारकों को प्रशिक्षित करता है

प्र.14.वैयक्तिक स्वतंत्रता में संवृद्धि करता है

क) दैनिक जीवन की गतिविधियों में स्वतंत्रता की सुविधा में सहायता प्रदान करता है

ख) स्वतंत्र रूप से दैनिक जीवन की गतिविधियों में स्वतंत्रता की सुविधा देता है

ग) अधिक व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुविधा के लिए परिवार के सदस्यों में क्षमता का निर्माण करता है

घ) व्यक्तिगत स्वतंत्रता में सुधार के लिए व्यक्तिगत/पारिवारिक गतिरोध को दूर करने के लिए समस्या–समाधान देता है।

प्र.15.विभिन्न संचार पद्यतियों का प्रयोग करते हुए बातचीत करना

क) भिन्न दिव्यांगताओं/जरूरतों के लिए संचार के विभिन्न रूपों का वर्णन करता है और उदाहरण देता है

ख) आवश्यकतानुसार अन्य स्वरूपों में एक–चरण की जानकारी (जैसे, एकल शब्द, अभिवादन) के बारे में बताता है

ग) विभिन्न संचार माध्यमों/प्रारूपों में बुनियादी प्रवीणता से परे विस्तार करने का आशय रखता है

प्र.16.व्यावसायिक हस्तक्षेप/सेवाओं के साथ लोगों को जोड़ता है

क) दिव्यांगता प्रमाणन/यूडीडी सुनिश्चित करता है

ख) सही रेफरल मार्ग की पहचान करता है और उचित रूप से संदर्भित करता है

ग) जोखिमग्रस्त और कठिन स्थानों पर रहने वाले लोगों को पहचानता है और उन तक पहुँचता है

घ) ग्रामीण स्तर पर व्यावसायिक सेवाओं को शामिल करने के लिए शिविरों और अभियानों को सुकर बनाता है

प्र.17.सामजिक और भावनात्मक सहयोग प्रदान करता है

क) व्यक्तियों और परिवारों को भावनात्मक कल्याण में सुधार के लिए विभिन्न रणनीतियों के बारे में सूचित करता है

ख) स्पष्ट (यानी, बताई गई) जरूरत के प्रत्युत्तर में एक भावनात्मक समर्थन रणनीति लागू करता है

ग) व्यक्ति और परिवार की आवश्यकताओं के समग्र मूल्यांकन के प्रत्युत्तर में भावनात्मक समर्थन प्रदान करता है

घ) सामाजिक और भावनात्मक समर्थन प्रदान करते समय बाहरी कारकों (जैसे, जाति, संस्कृति) पर ध्यान देता है

प्र.18.प्रभावी रूप से सुनवाई प्रदर्शित करता है

क) सुनता है और उचित उत्तर, सलाह देता है

ख) व्यक्तियों और परिवारों के साथ बातचीत करते समय शिक्षण की रणनीतियों का उपयोग करता है

ग) उपयुक्त रूप से उत्तर देने के लिए बोली और न बोली जाने वाली, दोनों जानकारी को ध्यान में रखता है

प्र.19.आवश्यक संपर्क स्थापित करता है

क) गाँव में मुख्य हितधारकों के साथ संपर्क बनाता है

ख) योजना और संपर्क रणनीतिक रूप से करता है (अर्थात कम स्पष्ट हितधारकों जैसे विद्यालयों पर विचार करता हैं)

ग) सामुदायिक संपर्क बनाने/उन्हें मजबूत करने के लिए हितधारकों के साथ संवाद करता है

घ) अधिकारियों से आवश्यक निर्देश प्राप्त करता है (जैसे, तालुका)

प्र.20.दूसरों को संवेदनशील बनाता है और प्रशिक्षित करता है

क) अपने दिव्यांग सदस्य का सहयोग करने के तरीकों में परिवारों को बताता है

ख) करीबी समुदाय सदस्यों को उन दिव्यांगजनों के साथ बेहतर जुड़ाव/बातचीत करने के लिए प्रशिक्षित करता है जिन्हें वे जानते हैं

ग) गाँव के अधिकारियों को सामान्य दिव्यांगता आवश्यकताओं और उनकी जिम्मेदारियों के बारे में बताता है

घ) सामान्य दिव्यांगता आवश्यकताओं और उनकी जिम्मेदारियों के बारे में सेवा प्रदाताओं के अलावा अन्य को भी प्रशिक्षण देता है

प्र.21.समुदाय के संसाधनो को समझता है

क) सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन को परिभाषित और वर्णित करता है

ख) समर्थन के साथ पीआर, में भाग लेता है

ग) समुदाय का पीआरए (मैपिंग) के लिए मार्गदर्शन करता है

प्र.22.समुदाय के संसाधनों का उपयोग करने में समर्थ बनाता है

क) अपने मौजूदा (स्वयं के) संसाधनों का उपयोग करने के लिए परिवारों को प्रोत्साहित करता है

ख) व्यक्तियों और परिवारों के लिए उपलब्ध सरकारी संसाधनों को सुगम बनाता है

ग) समुदाय को अपने स्वयं के संसाधनों का सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए सहमत करता है

घ) बाहरी संसाधनों को गाँव में लाता है

प्र.23.संभाविक नेताओं की पहचान करता है

क) स्वाभाविक नेताओं (दिव्यांगजनों, उनके परिवार के सदस्यों, समुदाय से) की पहचान करता है

ख) अपनी क्षमता विकसित करने के बारे में संभावित नेताओं को प्रोत्साहित और सूचित करता है

ग) संभावित नेताओं को मॉडल नेतृत्व कौशल प्रदान करता है

घ) दूसरों में विद्यमान अव्यक्त नेतृत्व कौशल बाहर लाता है और उन्हें विकसित करता है

प्र.24.समूहों और डीपीओ के गठन मे सहयोग देता है

क) प्रेक्षित समूह गठन प्रक्रियाओं का वर्णन करता है

ख) समूह/डीपीओ बैठकों की स्थापना और आयोजन का समर्थन करता है

ग) समूहों को उनके अधिकारों और दायित्वों के बारे में शिक्षित करता है

घ) स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए समूहों को प्रशिक्षित करता है

ङ) अन्य प्रासंगिक प्रमुख हितधारकों के साथ जुड़ने के लिए समूहों को सुविधा देता है

प्र.25.प्रासंगिक जानकारी और दस्तावेज साझा करता है

क) प्रासंगिक सहयोग प्रावधान योजनाओं, कार्यक्रमों और दस्तावेजों का वर्णन करता है

ख) दिव्यांगजनों द्वारा प्रावधानों के उपयोग पर आंकड़े एकत्र करता है

ग) ग्रामीण स्तर पर अनुपालन की रिपोर्ट देता है

प्र.26.समुदाय के नेताओं के साथ समावेशन के लिए तर्क देता है

क) नेताओं के साथ प्रेरक बातचीत करता रहता है

ख) समर्थन के साथ, स्थानीय नेताओं के अधिक समावेश के लिए एक मामला बनाता है

ग) ब्लॉक स्तर के नेताओं को समावेशी विकास में शामिल होने के लिए मनाने के लिए स्वयं बातचीत करता है

घ) सीबीआईडी प्रशिक्षुओं को समर्थन करता है और उन्हें बताता कि नेताओं के साथ प्रेरणाप्रद रूप से बातचीत कैसे करें

प्र.27. समुदाय समूहों में शामिल होने के लिए व्यक्तियों और परिवारों को प्रेरित करता है

क) समूहों में शामिल होने वाले व्यक्तियों और परिवारों पर प्रभाव डालने वाले कारकों की पहचान करता है और उन्हें प्राथमिकता देता है

ख) किसी परिवार/व्यक्ति को सामुदायिक जीवन में शामिल होने के लिए एक राजी करता/मामला बनाता है

ग) सामुदायिक भागीदारी को बाधित करने वाले कई कारकों का निवारण करता है।

प्र.28. समावेशी कार्यक्रम और विशेष दिवसों का आयोजन करता है

क) समावेशी कार्यक्रमों और विशेष दिनों को मनाता है और उनके आयोजन में शामिल है

ख) डीपीओ और समुदाय के साथ समावेशी कार्यक्रमों और विशेष दिनों को मनाने की व्यवस्था करता है

ग) समावेशी कार्यक्रमों और विशेष दिनों/घटनाओं के संचालन के लिए समुदाय/डीपीओ को सहयोग करता है

प्र.29. भूमिका की आवश्यकताओं के आधार पर कार्य करता है (जैसे, विभिन्न स्थानों के लिए यात्रा के अलग–अलग साधनों से यात्रा करने के लिए कार्यक्रम तैयार किया जाता है, अलग–अलग पृष्ठभूमि से समूहों के साथ काम करता है, दिन में/समुदाय के लिए सबसे उपयुक्त समय में काम किया जाता है)

क) किसी की पृष्ठभूमि में भूमिका के लिए चुनौतियों की पहचान करता है और इनके खिलाफ तर्क तैयार करता है

ख) विश्वसनीय, जिम्मेदार, निष्पक्ष व्यवहार

ग) व्यक्ति/परिवार/समुदायों की आवश्यकताओं के अनुसार दृष्टिकोण अपनाता है

प्र.30. एक सक्रिय समूह सदस्य के रूप में योगदान देता है

क) एक दल में विभिन्न कौशल सेट के महत्व को पहचानता है

ख) सकारात्मक दल के कामकाज को सुकर बनाता है और बढ़ावा देता है

ग) दल के दृष्टिकोण और उद्देश्य की हिमायत करता है

प्र.31. एक भरोसेमंद तरीके से आचरण करता है

क) निर्दिष्ट कार्यों को व्यवस्थित ढंग से पूरा करता है

ख) सौंपी गई गोपनीय जानकारी को रखता है

ग) उन पक्षकारों के साथ व्यवहार करते समय निष्पक्षता प्रदर्शित करता है जिनके विरोधी दृष्टिकोण हैं

प्र.32. दिव्यांगता को ज्ञान के स्रोत के रूप में सम्मान देता है

क) अपने शब्दों में दिव्यांगजनों के अधिकार को समान रूप से मानने का वर्णन करता है

ख) गुंजाइश बनाता है और दिव्यांगता का जीवंत अनुभव रखने वाले लोगों से योगदान और अंतर्दृष्टि प्राप्त करता है

ग) सामर्थ्य–आधारित दृष्टिकोण के साथ समुदाय को दिव्यांगता से जुड़ने और उनके कल्याण में शामिल होने के लिए राजी करता है

प्र.33. प्रासंगिक कानूनी और विनियामक ढांचे के भीतर प्रचालन करता है

क) प्रासंगिक कानूनों और आचार संहिता/एसओपी को संकलित करता है

ख) सुनिश्चित करता है कि स्वयं के कार्यस्थल का व्यवहार और संपर्क सांस्कृतिक और प्रासंगिक मानदंडों का सम्मान करें

ग) नए विचारों/अभ्यास/संदर्भ के विषयों को मौजूदा एसओपी में शामिल करता है

घ) नैतिक व्यावसायिक वृत्ति में व्यक्तिगत जिम्मेदारी की दूसरों से हिमायात करता है

प्र.34. वैयक्तिक सामाजिक–भावनात्मक कुशलता अनुरक्षित करता है

क) भूमिका के संभावित भावनात्मक प्रभावों की पहचान करता है

ख) उनकी अपनी भलाई की निगरानी करता है और समर्थन मांगता है

ग) व्यावसायिक वृत्ति के अभिन्न अंग के रूप में व्यक्तिगत कुशलता को प्रोत्साहित करने के लिए सक्रिय रूप से दूसरों का समर्थन करता है

प्र.35. सीबीआईडी कार्य–निष्पादन में सुधार करने के लिए सतत् अधिगम की योजना बनाता है

क) ज्ञान और कौशल में खामियों की पहचान करता है

ख) संगठित शिक्षण अवसरों का लाभ उठाता है

ग) भूमिका के स्तर और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षण की जरूरतों को प्राथमिकता देता है

घ) अपेक्षित डिप्लोमा प्रगति को पूरा करने की योजना बनाता है

प्र.36. कार्य योजना तैयार करता है

क) निर्धारित प्रारूप के अनुसार कार्य योजना तैयार करता है

ख) अप्रत्याशित घटनाओं/स्थितियों के लिए कार्य योजनाओं को अपनाता है

ग) योजनाएँ दीर्घकालिक लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए कार्य करती हैं

प्र.37. रिपोर्ट लिखता है

क) निर्धारित प्रारूप का उपयोग करके बुनियादी जानकारी को प्रलेखित करता है

ख) जटिल रिपोर्ट पूरी करता है

ग) नई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रिपोर्टों का पालन करता है

घ) रिपोर्ट में आंकड़ों/परिणामों की व्याख्या प्रदान करता है

निर्देश एवं समंकन निर्देशिका

प्रत्येक प्रश्न प्रगामी आधार पर सक्षमता को अभिवयक्त करता है– अत : यदि प्रशिक्षक किसी प्रश्न के लिए स्तर–ग अंक प्राप्त करता है, तो वह स्वतः ही उससे नीचे के दो स्तर हासिल कर लेता है और इस प्रकार वह 3 अंक (क+ख+ग) प्राप्त कर लेता है। निर्देश एवं समंकन निर्देशिका के अनुसार, कुल अंकों को उस विधिमान्य कार्य–निष्पादन बैंड/स्तर के साथ संरेखित किया जा सकता है, जहां प्रशिक्षु वर्तमान में कार्य कर रहा है।

भारतीय पुनर्वास परिषद्

	विधान का प्रयोग करते हुए समुदाय अवसरचना/ परिवर्तनों में प्रस्तावित समायोजन/ परिवर्तनों को औचित्यपूर्ण ठहराना					ग्राम में बाह्य संसाधन लाना		अन्य सीबीआईडी प्रशिक्षुओं को सहायता देना और इस संबंध में जानकारी देना कि नेताओं के साथ दृढ़ता के साथ कैसे संपर्क किया जा सकता है	ग्राम स्तर पर अनुपालन पर रिपोर्ट देना		अन्य में मंदित नेतृत्व कौशल लाना और विकसित करना	बाह्य सेवा प्रदाताओं को सामान्य दिव्यांगता जरूरतों और उनकी जिम्मेदारियों के बारे में प्रशिक्षित करना	मानकों से अधिक: समुदाय से परे सीबीआईडी को बढ़ावा देता है, परिवर्तित विधान और सरकारी व्यवहारों को सुकर बनाता है	41-46
न्यूनतम सक्षमता को प्रक्रिया में लाने का स्तर														
दिव्यांगता और समावेशन पर विभिन्न समुदाय संदर्शों की तुलना करना		सभी के लाभ के लिए बातचीत, विभिन्न समूहों के लिए अलिखित आधारभूत नियमों का उपयोग करना		प्राधिकारियों से आवश्यक निर्देश प्राप्त करता है (अर्थात तालुक)	समुदाय प्रतिभागिता प्रदर्शित करने वाले अनेक कारकों का निवारण करता है	समुदाय को इसके अपने संसाधनों का सक्रिय योगदान करने के लिए आश्वस्त करता है	अंतर्वेशी कार्यक्रम और विशेष दिवस/आयोजन संचालित करने के लिए समुदाय/ डीपीओ को सहायता देता है	अंतर्वेशी विकास में शामिल होने के लिए ब्लाक स्तर के नेताओं को प्रेरित करने के लिए स्वतः संपर्क स्थापित करना		अन्य प्रासंगिक हितधारकों के साथ संपर्क करने के लिए समूहों को सहायता प्रदान करना	संभावित नेताओं को नेतृत्व कौशल प्रदान करना		**सक्षमता** : सभी क्षेत्रें मेंअधिक सामुदायिक पहुंच और समावेश के लिए परामर्श देता है; आवश्यक संसाधन और सेवाएँ प्राप्त करता है; दिव्यांगता के साथ रहने वाले लोगों और परिवारों की स्थानीय नेतृत्व क्षमता विकसित करता है।	26-40
नकारात्मक समुदाय अभिवृत्तियों और दृष्टिकोण के प्रति तर्क विकसित करना			पीआर, के माध्यम से मार्गदर्शन (मैपिंग)	समुदाय संबंध बनाने/मज़बूत करने के लिए हितधारकों के साथ बातचीत करना						समूहों को स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करना		ग्राम पदधारकों को लिग दिव्यांगता आवश्यकता के बारे में निर्देश देना और उनकी जिम्मेदारी के बारे में बताना		
	सही सांविधिक प्रावधानों और स्थिति के अनुसार पद्यति को अपनाता है	कारक प्रभावी स्थितियों की अंतरआश्रिता सामाजिक– आर्थिक/ लिंग/जाति/धर्म, को पहचानता है				व्यक्तियों/ परिवारों को उपलब्ध होने वाले सरकारी संसाधनों को सुलभ कराता है	डीपीओ और समुदाय के मध्य अंतर्वेशी कार्यक्रमों और विशेष दिवसों का आयोजन और संचालन करता है	सहयोग के साथ स्थानीय नेताओं के अधिक समावेशन के लिए मामला बनाता है	दिव्यांगजन द्वारा सुविधाओं की पहुंच प्राप्त करने के लिए आंकड़े एकत्र करना	समूहों को उनकी पात्रताओं और दायित्वों के बारे में शिक्षित करता है			**प्रगत प्रारम्भक** : सामुदायिक समावेश के लिए तर्कयुक्त तर्क प्रदान करता है; समावेशन परामर्श में शामिल होता है और व्यक्तिगत और सामुदायिक सशक्तिकरण में सहायता करता है।	13-26
दिव्यांगता और दिव्यांगता समावेश के अनुभव पर पृष्ठभूमियों के प्रभाव का वर्णन करता है			समर्थन के साथ पीआरए में प्रतिभागिता करता है	रणनीतिक आधार पर योजना बनता है और मानचित्रण करता है (अर्थात कम स्वाभाविक हितधारकों जैसे स्कूल पर विचार करता है)	सामुदायिक जीवन में शामिल होने के लिए परिवार/व्यक्ति को प्रेरित करता/ मामला बनता है					समूह/ डीपीओ बैठकों की स्थापना और संगठन को सहयोग देता है	संभावित नेताओं को प्रोत्साहित करता है और सूचित करता है कि उनकी क्षमता किस प्रकार बढ़ाई जाए	घनिष्ठ समुदाय सदस्यों को उनके जानने वाले दिव्यांगजनों से बेहतर रूप से जुड़ने/संपर्क स्थापित करने के लिए प्रशिक्षित करना		
	कुछ प्रासंगिक सांविधिक कानूनों, उपबंधों और प्रक्रियाओं एवं उनके संपर्कों का वर्णन करता है	उन कारकों का वर्णन करता है जो समुदाय द्वारा दिव्यांगजनों के समावेशन में योगदान देता और अवरोध उत्पन्न करता है			समूह में शामिल होने वाले व्यक्तियों और परिवारों को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान करता और प्राथमिकता देता है	परिवारों को उनके विद्यमान (स्वयं के) संसाधनों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है			प्रासंगिक सहायक उपबंधों, योजनाओं, कार्यक्रमों और दस्तावेजों का वर्णन करता है			परिवारों को उस तरीकों के बारे में निर्देश देता है जिनसे वे अपने दिव्यांग सदस्य को सहायता प्रदान कर सकते हैं।	**नवदीक्षित** : सीबीआईडी के मूल सिद्धांतों और कार्यों के बारे में जागरूकता प्रदर्शित करता है; व्यक्तियों और परिवारों के साथ समावेशन, अधिकारों और हकदारियों के बारे में सटीक जानकारी साझा करता है।	1-12
समुदाय की बाधाओं और समावेशन के सिद्धांतो को परिभाषित करता है			पीआरए/ पीएलएको परिभाषित और वर्णित करता है	ग्राम में प्रमुख हितधारकों की सूची बनाना			अंतर्वेशी कार्यक्रमों और विशेष दिवसों में भागीदारी करता है	नेताओं के साथ प्रोत्साहक संपर्कों का प्रेक्षण और वर्णन करता है		अनुपालित समूह गठन प्रक्रियाओं का वर्णन करता है				
अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	समावेशी सामुदायिक विकास– निर्देश और अंक समंकन निर्देशिका	
1.1 समुदाय विकास और सीबीआईडी को समझता है	1.2 सांविधिक प्रावधानों को समझता है	1.3 पृष्ठभूमि विभेदों और उनके प्रभाव को समझता है	2.3 समुदाय संसाधनों को समझता है	2.1 आवश्यक समुदाय संपर्क स्थापित करता है	2.9 समूह में शामिल होने के लिए व्यक्तियों और परिवारों को प्रेरित करता है	2.4 समुदाय संसाधनों के उपयोग को समर्थ बनता है	2.10 अंतर्वेशी कार्यक्रमों और विशेष दिवसों का आयोजन करता है	2.8 समुदाय नेताओं के साथ समावेशन के लिए तर्क करता है	2.7 प्रासंगिक जानकारी और दस्तावेज अनुपालन साझा करता है	2.6 समूहों और डीपीओ के गठन का सहयोग करता है	2.5 संभावित नेताओं की पहचान करता है	2.2 अन्यों को संवेदी और प्रशिक्षित करता है		
1 समझ के फ्रेमवर्क			2 समुदाय के साथ संबंध और प्रोफाइल बनाना				3 सरकारी एजेंसियों के साथ कार्य करता है			4 समुदाय नेतृत्व और कार्रवाई को सहयोग करता है				

	मानसिक रोग भी पहचान करना	उन सभी परिस्थितयों में हस्तक्षेप करता है जो आकलन सटीकता को प्रभावित करती हैं					रिपोर्टों में आंकड़ों/परिणामों का निर्वाचन प्रदान करता है	सार्वभौमिक डिज़ाइन भौतिक पहुँच सिद्धांत और प्रक्रियाओं की समुदाय–व्यापी हिमायत करना					उपर्युक्त मानक : समुदाय–आधारित पुनर्वास की संभावनाएं, गहन जानकारी से सृजनात्मक प्रतिक्रियाएं प्रदान करता है	40-44
व्यवहार के लिए न्यूनतम सक्षमता का स्तर														
				स्वयं के व्यवहार का विश्लेषण करता है तथा व्यक्तियों और परिवारों के और सशक्त बनाने के लिए उसे और समायोजित करता है	व्यक्तियो और परिवार की शक्तियों के बारे में निष्कर्षों का निर्वचन करता है और उन्हें योजना में शामिल करता है	ग्रामीण स्तर पर व्यावसायिक सेवाएं लाने के लिए शिविरों और अभियानों के आयोजन को सुकर बनाता है	नई अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए रिपोर्टें अनुकूलित करता है	समुदाय में अधिक भौतिक पहुँच सुकर बनाता है		समुदाय में अन्य हितधारकों को प्रशिक्षित करता है	स्वतंत्रता में सुधार लाने के लिए परिवार के प्रतिरोध का निवारण करने के लिए समस्या समाधान करता है	विभिन्न संचार साधनों में बुनियादी प्रवीणता से परे हासिल करना	**सक्षमता :** व्यक्तियों के समावेश की अभिवृत्ति और भौतिक बाधाओं के निवारण के लिए कार्य करता है; पुनर्वास लक्ष्यों को सहायता प्रदान करने के लिए समुदाय की क्षमता का निर्माण करता है; स्वयं के कार्य–निष्पादन को निर्णायक रूप से परिलक्षित करता है; और सुधार के लिए स्वयं का विस्तार करता है.	27-39
			प्रतिरोधी हितधारकों से आश्वस्त रूप से बातचीत करता है	परिवार में सामूहिक रूप निर्णय लेने को से सुकर बनाता है	जोखिमग्रस्त और दुर्गम स्थानों पर फंसे लोगों की पहचान और उन्हें निर्दिष्ट करता है	जटिल रिपोर्टों को पूर्ण करता है	भौतिक पहुँच में सुधार करने के लिए गृह आशोधनों का सुझाव देना	विकास और शिक्षण को संपोषित करने के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग करने के लिए परिवार को सहायता प्रदान करना	समुदाय में अन्य हितधारकों को प्रशिक्षित करता है					
आरपीडी अधिनियम 2016 के अंतर्गत 21 दिव्यांगताओं का नाम लेना और उनका वर्णन करता है	विकासात्मक दिव्यांगताओं में विभेद करता है	उपयुक्त जांचसूची का चयन और उसे प्रशासित करता है		परिवार के साथ सहयोगी चर्चा को सुकर बनाता है		सही रेफरल मार्गों की पहचान करता है और उन्हें समुचित रूप से रेफ़र करता है				सहायक प्रौद्योगिकी के प्रयोग में प्रशिक्षित करता है	अधिक वैयक्तिक स्वतंत्रता को सुकर बनाने के लिए परिवार के सदस्यों की क्षमता का निर्माण करता है		**प्रगत प्रारम्भक :** क्षमता निर्माण के लिए परिवारों और व्यक्तियों के साथ सामूहिक रूप से कार्य करता है; इस संबंध में निर्णय करता है कि किस सीमा तक हस्तक्षेप करना है; निशक्तता सहायक कार्य का मजबूती–आधारित दृष्टिकोण लागू करता है	14-26
			संवेदी सूचना को पर्याप्त रूप से संप्रेषित करता है		आस्तियों और कार्यात्मक आकलन में मजबूती के बारे में प्रश्न समाविष्ट करता है			संचलनता और भौतिक क्षमता को सहयोग करने वाले सहायक उपकरणों का सही प्रयोग सुनिश्चित करना	उपलब्ध प्रारंभिक शिक्षण संसाधनों के बारे में परिवार को सूचित करता है		दैनिक जीवन के क्रियाकलापों में स्वतंत्रता को स्वतंत्र रूप से सुकर बनता है	यथा अपेक्षित अन्य रूपों में एक–चरण सूचना संप्रेषित करता है		
		यथानिर्देशित मूलभूत जांच–सूची पूर्ण करता है				दिव्यांगता प्रमाणीकरण/यूडीडी सुनिश्चित करता है	विनिर्दिष्ट प्रपत्र का प्रयोग करते हुए मूलभूत सूचना प्रलेखित करता है		समुदाय में परिवार द्वारा सामाजिक प्रतिभागिता को प्रोत्साहित करता है	परिवार को साधारण तकनीकों में प्रशिक्षित करता है	दैनिक जीवन के क्रियाकलापों में स्वतंत्रता को सुकर बनाने में सहायता करना		**नवदीक्षित :** सीबीआईडी कार्य के आधारभूत पहलुओं को सहायता देता है; व्यक्तियों और परिवारों को अनुदेश और सलाह देता है; दिव्यांगता की गलत समझ को सही करता है	1-13
यह जानता है कि कौन से कारक दिव्यांगता कारित करते हैं और कौन से नहीं.	स्वाभाविक दिव्यांगताओं में विभेद करता है		सटीक निम्न–हित सूचना उपलब्ध कराता है	व्यक्तियों और दिव्यांगता परिवारों के साथ व्यव्हार में निर्देशित, कार्योन्मुखी तरीके से कार्रवाई करता है	मजबूती–आधारित शक्ति को जानता है			फिजिकल थेरेपिस्ट द्वारा सुझाए गए क्रियाकलापों का अनुपालन करता है				संचार के विभिन्न रूपों को वर्णित करता है और उसके उदाहरण देता है		
अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	**आकलन और हस्तक्षेप – निर्देश और अंकीय गाइड**	
1.1 दिव्यांगता की परिस्थितयों को समझता है	1.2 दिव्यांगताओं के बीच विभेद करता है	2.1 कार्यात्मक आकलन निष्पादित करता है	2.2 आकलन निष्कर्षों को संप्रेषित करता है	2.3 परिवार को लक्ष्य निर्धारित करने में सहायता करता है	2.4 आस्तियों, क्षमताओं और मजबूतियों की पहचान करता है	3.1 विशिष्ट सेवाओं से लोगों को जोड़ता है	3.2 रिपोर्टें लिखता है	4.1 संचलन और भौतिक सक्षमता में संवृद्धि करता है	4.2 सामाजिक, भावनात्मक और नैसर्गिक विकास में संवृद्धि करता है	4.3 सहायक उपकरणों के प्रयोग में प्रशिक्षित करता है	4.4 वैयक्तिक स्वतंत्रता में वृद्धि करता है	4.5 विभिन्न संचार पद्धतियों का प्रयोग करता है		
1 दिव्यांगता को समझता है		**2 आकलन और योजना संचालित करता है**				**3 संपर्कों/रेफेरल सुकर बनाता है**		**4 बहु–क्षेत्रीय हस्तक्षेप उपलब्ध कराता है**						

भारतीय पुनर्वास परिषद्

			दल के विजन और कारण की हिमायत करता है	शक्ति–आधारित संदर्श से दिव्यांगता के साथ जुड़ने और संबंधित होने के लिए समुदाय को प्रेरित करना है					मानवीय व्यावसायिक प्रक्रिया के लिए वैयक्तिक जिम्मेदारी के लिए अन्य को हिमायत करता है	अपेक्षित डिप्लोमा प्रगति को पूर्ण करने की योजना बनाता है	उपर्युक्त मानक : सीबीआईडी दल में नेतृत्वकारी भूमिका लेता है; समुदाय में मजबूत हिमायत उपलब्ध कराता है; भूमिका से परे विकास अवसरों को सक्रियता से हासिल करना	41-46
अभ्यास के लिए न्यूनतम सक्षमता स्तर												
	वर्तमान प्रक्रियाओं में नए विचार/ प्रक्रियाएं/ संदर्भ के फ्रेम समाविष्ट करना	उन पक्षकारों के साथ संव्यवहार में निष्पक्षता दर्शाना जिनके विरोधी मत हैं				परिवार/संबंध की आवश्यकता के आधार पर उनके द्वारा संबंध बनाने के अनुसार परिवर्तन करना	सामाजिक और भावनात्मक समर्थन का प्रावधान तय करते समय बाहरी कारकों (जैसे, जाति और संस्कृति) का ध्यान रखता है	लंबी अवधि के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए कार्य की योजनाएं बनाता हैं	व्यावसायिक अभ्यास के अभिन्न अंग के रूप में व्यक्तिगत भलाई को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से दूसरों का समर्थन करता है	व्यवस्थित शिक्षण अवसरों का लाभ लेता है	पूरी तरह से समझ हासिल के लिए स्थितियों पर प्रतिबिंबित; वैकल्पिक दृष्टिकोण का सम्मान करता हैय यह सुनिश्चित करता है कि योजनाएँ यथार्थवादी, आकांक्षी और अनुकूलनीय हों, जो उत्पन्न होने वाले अवसरों के लिए खुली हों	26-40
व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों की जरूरतों के अनुसार दृष्टिकोण अपनाता है					उचित रूप से जवाब देने के लिए बोली जाने वाली और अनिर्दिष्ट दोनों जानकारी को ध्यान से देखता है	परिवार/रिश्ते की गतिशीलता में मुख्य/ महत्वपूर्ण मुद्दों और विशेषताओं की पहचान करता है	व्यक्ति और परिवार की जरूरतों के समग्र मूल्यांकन के प्रत्युत्तर में भावनात्मक समर्थन प्रदान करता है	अप्रत्याशित घटनाओं/ स्थितियों के लिए कार्ययोजना अनुकूलित करता है				
पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना सभी लोगों और परिवारों के साथ जिम्मेदार, निष्पक्ष व्यवहार दर्शाता है	स्वयं का कार्यस्थल व्यवहार सुनिश्चित करता है तथा सांस्कृतिक और संदर्भात्मक मानदंडो का पालन करता है	सौंपी गयी गोपनीय जानकारी को उचित रूप से रखता है		स्थान बनाता है और जीवंत दिव्यांगता अनुभव वाले लोगों के योगदान और अंतर्दृष्टि को ग्रहण करता है					**अपनी खुद की भलाई पर नज़र रखता है और जरूरत पड़ने पर समर्थन मांगता है**		**प्रगत प्रारंभक :** शैली को बेहतर बनाने के लिए रणनीतियों को सीखता है; अच्छी टीम के कामकाज का समर्थन करता है; लोगों के साथ व्यवहार में सांस्कृतिक और प्रासंगिक विस्तार में भाग लेता है और गोपनीय जानकारी के लिए उस पर भरोसा किया जा सकता है	13-26
			सकारात्मक दल के कार्यकरण को सुकर और संपोषित बनाना		व्यक्तियों और परिवारों के साथ संपर्क बनाते हुए प्रभावी श्रवण रणनीतियों का प्रयोग करता है		स्पष्ट (यानी, बताई गई) आवश्यकता के जवाब में भावनात्मक समर्थन रणनीति लागू करता है			सीबीआईडी की भूमिका के स्तर और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सीखने की जरूरतों को प्राथमिकता देता है		
	संचालन/ एसओपी के प्रासंगिक कानूनों और संहिता का संचालन करता है			अपने स्वयं में शब्दों में यह वर्णित करता है कि दिव्यांगजन के अधिकारों को समान रूप से माना जाएगा		दिव्यांगजन और उनके परिवारों के प्रति सम्मानजनक और सहायक व्यवहार प्रदर्शित करता है				ज्ञान और कौशल में खामियों की पहचान करता है	**नवदीक्षित :** निर्दिष्ट कार्य निष्पादित करता है; मूलभूत अपेक्षाओं की पूर्ति करता है; निष्पादन और शिक्षण आवश्यकताओं पर अभिव्यक्ति देता है; सीबीआईडी दल के सदस्यों और व्यक्तियों तथा दिव्यांगजनों के परिवारों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करता है	1-12
विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोगों के साथ कार्य करने के दौरान महसूस की जाने वाली चुनौतियों की सूची बनाना		यथाव्यवस्थित निर्दिष्ट कार्यों को पूर्ण करता है	दल में विभिन्न कौशल सेटों के मूल्य को मान्यता देता है		सुनता है और प्रतिक्रिया देता है, परामर्श देता है	दिव्यांगजनों और उनके परिवारों से संपर्क बनाते समय अपेक्षित सामाजिक मानकों का पालन करता है		विनिर्दिष्ट प्रपत्रों के अनुसार कार्य योजना तैयार करता है	पहचान कर लेता है, जब उनके द्वारा निर्वहन की जाने वाली भूमिका का उन पर संवेदनात्मक प्रभाव हो रहा है			
अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	अपर्याप्त साक्ष्य	**व्यावसायिक व्यवहार और प्रतिबिम्बात्मक प्रक्रिया – निर्देश और समंकन निर्देशिका**	
1.1 भूमिका की अपेक्षाओं की पूर्ति करता है	1.2 प्रासंगिक कानूनी और विनियामक ढांचे प्रचलित करता है	1.3 एक भरोसेमंद तरीके से स्वयं का आचरण रखता है	1.4 एक सक्रिय दल सदस्य के रूप में योगदान देता है	1.5 ज्ञान के स्रोत के रूप में दिव्यांगता का सम्मान करता है	1.6 प्रभावी रूप से सुनवाई प्रदर्शित करता है	1.7 परिवार/ संबंध संरचनाओं और गतिशीलता को पढता है	1.8 सामाजिक और भावनात्मक सहायता प्रदान करता है	2.1 कार्य योजनाएं तैयार करता है	2.2 वैयक्तिक सामजिक–भावनात्मक कुशलता अनुरक्षित करता है	2.3 सीबीआईडी निष्पादन में सुधार करने के लिए सतत् शिक्षण नियोजित करता है		
1 भूमिका अपेक्षाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति करता है								**2 कार्यों, कुशलता और सतत् सिक्षा को प्रबंधित करता है**				

चरण तीन समय–सारणी – माह 1

चरण तीन–1		सप्ताह 17	सप्ताह 18	सप्ताह 19	सप्ताह 20
सोमवार	पूर्वाह्न	4.6.1.1 (इनपुट) मानसिक रोग से पीड़ित व्यक्ति को सुनना और उनकी सहायता करना	4.6.1.2 मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता प्रस्तुतीकरण के लिए संसाधन विकसित करना जारी....	2.6.2.3 (इनपुट) सहायक लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने में परिवारों की सहायता करना	3.2.2.3 प्रमाणन प्राप्त करने में परिवारों की सहायता करना जारी....
	अपराह्न	4.2.3 समुदाय परियोजना/ अभियान (सेटअप) 3.1.2.3; 3.1.2.4 हिमायत प्रस्तुतीकरण (सेटअप) और परिवर्तन के सिद्दांत का निर्माण	4.2.3 समुदाय परियोजना	4.2.3 समुदाय परियोजना	3.1.2.3 हिमायत प्रस्तुतीकरण (4.2.3 समुदाय परियोजना में समाविष्ट)
मंगलवार	पूर्वाह्न	3.1.2.2 (इनपुट) दिव्यांग महिलाओं की जरूरतें 3.1.1.3 क्षेत्र में और वहां तक आने–जाने की सुरक्षित यात्रा की योजना बनाना	2.2.3.3 (इनपुट) आपदा की तैयारियां (सेटअप) – स्थानीय समुदाय में जोखिमों की पहचान करना	3.2.1.2 अपने जर्नल में नोट करें कि आप क्या महसूस करते हैं कि आप कैसा कार्य कर रहे हैं – अपने वरिष्ठ साथियों के साथ चर्चा की जाने वाली अपनी प्रगति और शिक्षण लक्ष्यों पर प्रकाश डालें	2.2.1.2 नकारात्मक परिणामों का प्रबंधन 3.1.3.2 मजबूत रिश्तों का निर्माण में सहयोग 2.1.2.3 समय प्रबंधन
	अपराह्न	4.2.3 प्रारं. – समुदाय के साथ परिवर्तन आरेख के सिद्धांत का निर्माण करें	4.2.3 समुदाय परियोजना	4.2.3 समुदाय परियोजना	3.1.2.3 हिमायत प्रस्तुतीकरण (4.2.3 समुदाय परियोजना में समाविष्ट)
बुधवार	पूर्वाह्न	1.1.2.1 उत्तरदायित्वों की सीमाएं	1.2.1.1; 1.2.1.2 कार्यस्थल कानून और नीतियां	2.3.1.1 रिपोर्टिंग और रिपोर्टिंग प्रपत्रों में सीबीआईडी उत्तरदायित्व	1.3.1.1; 1.3.1.2 सीबीआईडी दल और अन्य वृत्तिक
	अपराह्न	2.1.1.3 (सेटअप) कार्ययोजना तैयार करें 2.1.2.3 (सेटअप) समय प्रबंधन	2.1.2.3 समय प्रबंधन – स्वयं की निगरानी करना	3.1.2.3 महिलाओं की सुरक्षा और कुशलता– इस विषय पर निर्देशित क्षेत्रीय दौरे मे भाग लें और इन मुद्दों पर जांच–सूची/प्रश्नावली तैयार करें	3.2.2.2 जारी शिक्षण के लिए अवसर
गुरुवार	पूर्वाह्न	4.2.3 प्रारं. – रोल मॉडलों की प्रेरणाप्रद कथाओं को तैयार करना	4.2.3 समुदाय परियोजना	4.2.3 समुदाय परियोजना	4.2.3 समुदाय परियोजना
	अपराह्न	4.6.1.2 मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता प्रस्तुतीकरण के लिए संसाधनों का निर्माण करना	4.7.1.2 दिव्यांगता के प्रति समायोजन की अवस्थाओं के बारे में जानना, संवेदनशीलता के साथ प्रतिक्रिया देना, उपयोगी जानकारी प्रदान करना	2.6.2.3 लक्ष्य निर्धारण और आयोजना जारी....	3.3.1.4 समुदाय मे पुनर्वास सेवाओं का एकल खिड़की प्रावधान – समूह परियोजना
शुक्रवार	पूर्वाह्न	4.2.3 प्रारं–सहयोग के लिए संपर्क की जाने वाली एजेंसियों/संस्थाओं की सूची बनाना	4.2.3 समुदाय परियोजना	4.2.3 समुदाय परियोजना	4.2.3 समुदाय परियोजना
	अपराह्न	4.3.2.1 (सेटअप) सहायक उपकरणों को बनाना	4.1.2.2 (सेटअप) दिव्यांगता के बारे में समुदाय की धारणा का निर्धारण करना	4.7.2.2 किसी परिवार के समस्या निवारण तंत्रों को प्रलेखित करना 3.2.2.2 के लिए संग्रहित सामग्री का प्रयोग करते हुए प्रमाणन को सुकर बनाने के लिए परिवार के साथ काम करना (चरण 2 ब्लॉक 2)	4.1.2.3 समुदाय प्रतिभागिता कार्यकलाप का प्रदर्शन

चरण तीन समय– सारणी – माह 2

चरण तीन–2		सप्ताह 21	सप्ताह 22	सप्ताह 23	सप्ताह 24
सोमवार	पूर्वाह्न	4.2.2.4 (इनपुट) परिवारों को शिक्षित करना कि संचलन और संवेदी शिक्षण आवश्यकताओं को कैसे सहयोग दिया जाता है (चरण दो में 4.2.2.1 से जारी)	4.3.3.1 (इनपुट) और 4.3.3.2 (प्रयोग) फिलामेंट, प्रशिक्षण और सहायक उपकरणों की मरम्मत	4.5.2.3 वैकल्पिक संप्रेषण बोर्ड विकसित करना	छात्र संगोष्ठियां
	अपराह्न	4.2.3 समुदाय परियोजना	4.2.3 समुदाय परियोजना	4.3.1.1 (इनपुट) स्थानीय नेताओं की भूमिकाएं और उत्तरदायित्व तथा चयन की प्रतिभागी प्रक्रियाएं	
मंगलवार	पूर्वाह्न	3.2.2.2 एक नया कौशल सीखना	1.3.2.3 कठिन और सकारात्मक दल संपर्कों पर सहयोगियों/पर्यवेक्षकों के साथ व्यापक 3.1.3.3 किसी महत्वपूर्ण घटना की जानकारी देना	छात्र संगोष्ठियां और संसाधन मेले तैयार करना	4.6.2.1 (इनपुट) मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से पीडित लोगों के लिए रेफेरल
	अपराह्न	4.2.3 समुदाय परियोजना	4.2.3 समुदाय परियोजना	4.3.1.2 सामाजिक नेताओं की पहचान और चयन करने के लिए समुदाय के साथ कार्य करना	4.6.2.2 मानसिक रोग से पीड़ित व्यक्ति के लिए रेफेरल मार्गों को प्रलेखीकृत करना तथा जुड़ने और सहयोग के लिए परिवारों के पास मार्ग
बुधवार	पूर्वाह्न	3.2.2.2 एक नया कौशल सीखना जारी...	छात्र संगोष्ठियां तैयार करना	छात्र संगोष्ठियां और संसाधन मेलों को तैयार करना	4.3.2.1 (इनपुट) सीबीडी कार्यकर्ता/बाह्य एजेंट की भूमिका को मंदित करना
	अपराह्न	4.2.2.4 परिवारों को शिक्षित करना कि संचलन और संवेदी शिक्षण आवश्यकताओं को कैसे सहयोग दिया जाता है	4.4.1.2 परिवार को ओएंडएम में प्रशिक्षण	4.5.2.3 वैकल्पिक संप्रेषण बोर्ड तैयार करना जारी....	4.3.2.2 (इनपुट) प्रत्येक प्रशिक्षु के संदर्भ में घरेलू मंदन कार्यनीतियां
गुरुवार	पूर्वाह्न	4.2.3 समुदाय परियोजना	4.2.3 समुदाय परियोजना	4.3.1.2 सामाजिक नेताओं की पहचान और चयन करने के लिए समुदाय के साथ कार्य करना	दिन 1 – संसाधन मेला (समुदाय के लिए खुला) – संभवत : बूथ और पोस्टर प्रस्तुतीकरण – लोग कमरे में घूमेंगे और प्रत्येक बूथ पर उसे संचालित करने वाले छात्रों से प्रदर्शित सामग्री के बारे मे चर्चा करेंगे
	अपराह्न	4.3.1.3 एडीआईपी तक पहुंच के लिए परिवार की सहायता करना	4.4.2.3 एडीएल प्रशिक्षण योजना तैयार करना	4.5.2.3 वैकल्पिक संप्रेषण बोर्ड तैयार करना जारी....	
शुक्रवार	पूर्वाह्न	4.3.2.2 (प्रयो.) एक घरेलू सहायक उपकरण तथा गृह–आधारित अनुकूलन उपकरण तैयार करना	4.2.3 समुदाय परियोजना	4.3.1.3 स्थानीय नेताओं का विकास और उन्हें संसाधन प्रदान करना	**दिन 2 – शिक्षा पूर्ण और आयोजन**
	अपराह्न		4.4.2.3 एडीएल प्रशिक्षण योजना तैयार करना जारी...	4.5.2.3 वैकल्पिक संप्रेषण बोर्ड तैयार करना जारी....	

चरण तीन सत्र योजनाएं

सप्ताह 17

सप्ताह 17	चरण तीन ब्लॉक 4 सप्ताह 1 फील्ड में – इनपुट सप्ताह	
	पूर्वाह्न	अपराह्न
सोमवार	4.6.1.1 (इनपुट) मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान करना तथा मानसिक रोग से ग्रस्त लोगों और उनके परिवारों को सुनना (पोर्टफोलियो)	**4.2.3 समुदाय परियोजना (सेटअप) (असाइनमेंट) इस अंतिम स्थापन में, आप पीआरए में पहचानी गई किसी आवश्यकता की पूर्ति करने के लिए एक समुदाय परियोजना संचालित करेंगे। यह आपको समुदाय में प्राथमिकता लक्ष्यों की पहचान करने तथा उनकी संसाधन संबंधी जरूरतों को पहचानने, अपेक्षित संसाधनों का समावेश करने, अभियान चलाने में उन्हें सहयोग देने और एक प्रतिभागी मूल्यांकन करने के कार्य में शामिल करेगी। 3.1.2.3 हिमायत प्रस्तुतीकरण (सेटअप) चरण 2 के प्रथम ब्लॉक में, आपने आईईसी सामग्री और हिमायत अभियान के लिए एक योजना तैयार की थी। इस अंतिम ब्लॉक स्थापन के दौरान, आप अपनी समुदाय परियोजना के भाग के रूप में एक हिमायत प्रस्तुतीकरण तैयार करेंगे। आपके परियोजना राइट–अप में इस प्रस्तुतीकरण का सारांश भी शामिल होगा (असाइनमेंट)
मंगलवार	3.1.2.2 (इनपुट) महिलाओं की सुरक्षा और कुशलता – एक जांच–सूची प्रस्तुत करें – पोर्टफोलियो 3.1.1.3 क्षेत्र में सुरक्षित यात्रा की योजना बनाना	4.2.3 प्रारं– 3.1.2.4 समुदाय के साथ परिवर्तन के सिद्धांत पर एक आरेख तैयार करें (असाइनमेंट)

सप्ताह 17	चरण तीन ब्लॉक 4 सप्ताह 1 फील्ड में – इनपुट सप्ताह	
	पूर्वाह्न	**अपराह्न**
बुधवार	2.1.1.3 (सेटअप) एक कार्य–योजना तैयार करें आईसीडी समुदाय परियोजना के प्रत्येक सप्ताह की आपकी योजना इस अपेक्षा की पूर्ति करती है। आप अपने पोर्टफोलियो असाइनमेंट में एक–सप्ताह की योजना प्रस्तुत करेंगे और इस संबंध मे अपने अनुभवों को प्रलेखित करेंगे कि आपने इस योजना को कितनी अच्छी तरह से संचालित किया। 2.1.2.3 समय प्रबंचन मूल्यांकन आप समुदाय परियोजना के लिए आपके नियोजित लक्ष्यों के संदर्भ में अपने समय का प्रबंधन करने की योग्यता का मूल्यांकन करेंगे और इस अंतिम ब्लॉक स्थापन के मध्य में अपने पर्यवेक्षक को रिपोर्ट करेंगे।	4.6.1.1 (इनपुट) मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान करना (**पोर्टफोलियो**) 4.7.1.1 (इनपुट) संवेदनशीलता के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए परिवार की दिव्यांगता के प्रति समायोजन की अवस्थाएं 4.7.2.1 परिवारों द्वारा प्रयोग में लाए जाने वाले विपदा निवारण तंत्र
गुरुवार	4.2.3 प्रारं.–रोल–मॉडलों की प्रेरणाप्रद कथाओं की एक फाइल तैयार करें (**असाइनमेंट**)	4.6.1.2 मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता प्रस्तुतीकरण के लिए संसाधन विकसित करना (सेटअप) आगामी ब्लॉक के दौरान, आप नाटक अथवा पोस्टर के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों पर एक समुदाय जागरूकता प्रस्तुतीकरण संचालित करेंगे।
शुक्रवार	4.2.3 प्रारं. – सहायता के लिए एजेंसियों/ सस्थाओं को सूचीबद्ध (**असाइनमेंट**)	4.3.2.1 (सेटअप) सहायक उपकरण तैयार करना इस अंतिम ब्लॉक में आप विभिन्न घरेलू सहायक उपकरणों के बारे में सीखेंगे और उनमें से कुछ आम उपकरणों को तैयार भी करेंगे। आप अनुदेशों को लिखेंगे (जिनमें चित्र और सामग्री और औजार भी शामिल होंगे) तथा इन्हें अपने **पोर्टफोलियो** असाइनमेंट मे प्रस्तुत करेंगे। 4.1.2.2 (सेटअप) समुदाय लक्ष्य हस्तक्षेप चरण 2 ब्लॉक 1 में, हमने समुदाय–स्तर के हस्तक्षेपों के बारे में चर्चा की थी। इस ब्लॉक में, आप दिव्यांगता के बारे में समुदाय की धारणा को लेकर अपनी समझ का निर्माण करेंगे और एक समुदाय भागीदारी क्रियाकलाप का प्रदर्शन करेंगे। इस सुत्र की शेष अवधि में, आप अपने हस्तक्षेपों का चयन करेंगे और यह बताएंगे कि आप उन्हें कैसे संचालित करेंगे।

*** प्रशिक्षक को इस परियोजना के लिए अनुदेश और शिक्षण सहयोग विकसित करना चाहिए – पश्चातवर्ती पृष्ठों पर विचारों का अवलोकन करें।*

चरण तीन सप्ताह 17

ए एंड आई

4.6.1.1 पोर्टफोलियो– समुदाय में मानसिक रोग से पीड़ित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए संसाधन

4.6.1.2 मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता प्रस्तुतीकरण के लिए संसाधन विकसित करना

4.7.1.1 दिव्यांगता के प्रति परिवार का समायोजन

4.7.2.1 परिवारों द्वारा प्रयोग में लाए जा रहे विपदा निवारण तंत्र

4.3.2.1 पोर्टफोलियो – घरेलू सहायक उपकरणों को तैयार करना

4.1.2.2 दिव्यांगता के बारे में समुदाय की धारणाओं का निर्धारण करना

पीबी एंड आरपी

3.1.2.2 पोर्टफोलियो – महिलाओं की सुरक्षा और कुशलता

3.1.1.3 क्षेत्रो में आने–जाने के लिए सुरक्षित यात्रा की योजना बनाना

2.1.1.3 पोर्टफोलियो और जर्नल – एक सप्ताह के लिए कार्य–योजना तैयार करना

2.1.2.3 समय प्रबंधन मूल्यांकन

आईसीडी

4.2.3 असाइनमेंट – समुदाय परियोजना

3.1.2.3 असाइनमेंट (4.2.3 का भाग) – हिमायत प्रस्तुतीकरण

3.1.2.4.1.1.1.1 असाइनमेंट (4.2.3 का भाग) – परिवर्तन के सिद्धांत का निर्धारण

**समुदाय परियोजना मे निम्नलिखित अवयवों के दो अथवा अधिक परिणामी सेटों का शिक्षण शामिल हैं, जिनका शिक्षण सामान्य तौर पर आठ सप्ताह में प्रदान कर लिए जाने की अपेक्षा होती है। इस सेट का चयन समुदाय और स्थापन पर्यवेक्षक के साथ परामर्श करते हुए किया जाएगा।

1. प्रतिभागितापूर्ण और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का प्रयोग करते हुए समुदायक की आवश्यकताओं की पहचान करना
2. सीबीआईडी के संदर्भ में समुदाय की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देना
3. उपलब्ध संसाधनों के साथ प्राथमिकता को संरेखित करना
4. संसाधनों का उपयुक्त रूप से उपयोग करना
5. विद्यमान उपयुक्त नेटवर्कों का मानचित्रण और उन्हें सूचीबद्ध करना
6. नेटवर्किंग और सहयोग के लिए क्षमता का निर्माण करना
7. डीपीओ, अभिभावक और बाल समूहों का गठन करना
8. हिमायत करने के लिए समूहों को सहयोग देना
9. प्रतिभागितापूर्ण दृष्टिकोण का प्रयोग करते हुए एक परियोजना प्रस्ताओ और परिवर्तन का सिद्धांत विकसित करना
10. वित्त–पोषण एजेंसियों से संपर्क स्थापित करना
11. प्रतिभागितापूर्ण दृष्टिकोण का प्रयोग करते हुए क्रियान्वयन/निगरानी/मूल्यांकन

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 6 : मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से ग्रसित लोगों के साथ कार्य करना और उनका समर्थन करना; शीर्षक 1 : समुदाय में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाना

सत्र 4.6.1.1 : समुदाय में मानसिक रोग से ग्रसित लोगों को सहयोग देना			
चरण तीन; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु मानसिक स्वास्थ्य के कतिपय संकेतो और विशेषताओं, व्यक्तियों और परिवारों पर मानसिक रोग के प्रभाव, उपलब्ध सरकारी सेवाओं और अधिक समावेशी समुदाय को प्रोत्साहित करने के व्याहारिक तरीकों से अवगत होंगे।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	मानसिक स्वास्थ्य मुद्दे	मानसिक रोग की विशेषताएं मानसिक स्वास्थ्य विकृतियों के प्रारंभिक लक्षण	
	मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से ग्रसित लोगों को समझना और स्वीकार करने में परिवार और समुदाय की भूमिका	पाई गई चुनौतियों और रणनीतियों को समझने के लिए मानसिक रोग से ग्रसित लोगों और उनके परिवारों के विचार सुनना समुदाय के कलंक पर तथा समुदाय समावेशन के सकारात्मक उदाहरणों पर चर्चा	वीडियो फ़िल्में लैपटॉप मामले
	भारत में मानसिक स्वास्थ्य–देखरेख सेवाएं (अर्थात राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम)	स्वास्थ्य–देखरेख सेवाओं पर चर्चा और प्रलेखीकरण **पोर्टफोलियो**	

संदर्भ :

- https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC5479084/
- https://www.heretohelp.bc.ca/visions/self-management-vol1/how-families-can-help-in-self-management-of-a-mental-disorder
- https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4181176/
- https://www.who.int>mental health
- *ईएन शीर्षक 35 : मानसिक स्वास्थ्य मुद्दे*

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 6 : मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से ग्रसित लोगों के साथ कार्य करना और उनका समर्थन करना; शीर्षक 1 : समुदाय में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाना

सत्र 4.6.1.2 : मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम तैयार करना			
चरण तीन; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से ग्रसित लोगों द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों के बारे में समुदाय में जागरूकता का सृजन करने में समर्थ रहेंगे.			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	मानसिक रोग से पीड़ित लोगों की वीडियो क्लिपिंग और बौद्धिक दिव्यांगता वाले लोगों की क्लिपिंग दिखाकर मानसिक रोग और बौद्धिक दिव्यांगता के बीच अंतर स्पष्ट करें।	अभिव्यक्ति और चर्चा	वीडियो लैपटॉप व्हाइटबोर्ड चार्ट
	मानसिक कुशलता और मानसिक विकृतियाँ मानसिक रोग से संबंधित मिथक मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से ग्रसित लोगों की विशेषताएँ मानसिक स्वास्थ्य विकृतियों के प्रारंभिक संकेत सामान्य मानसिक विकृतियाँ मानसिक कुशलता को प्रभावित करने वाले कारक मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता (अर्थात मनोवैज्ञानिक अवसाद को पहचानना)।	पीपीटी प्रस्तुतीकरण विचारोत्तेजक चर्चा मानसिक रोग से पीड़ित लोगों की कोई फिल्म दिखाएं प्रशिक्षुओं के साथ चर्चा के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारकों का एक माइंड मैप तैयार करें	लैपटॉप वीडियो चार्ट
	मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का निवारण. मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के बारे में जागरूकता का सृजन	विचारोत्तेजक चर्चा	वीडियो फ़िल्में लैपटॉप मामले
	जिस किसी मुद्दे पर चर्चा की जा चुकी है उसका मूल्यांकन/निष्कर्ष/पुनः समीक्षा	शिक्षार्थी नाटक अथवा पोस्टरों के फॉर्मेट का प्रयोग करते हुए मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम तैयार करने में समर्थ होंगे.	
	प्रायोगिक–कार्य	शिक्षार्थी सीबीआईडी पर्यवेक्षक के पर्यवेक्षण के अंतर्गत नाटक अथवा पोस्टरों के फॉर्मेट का प्रयोग करते हुए मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम का संचालन करने में समर्थ होंगे।	

संदर्भ :

- https://www.medicalnewstoday.com/articles/154543.php
- https://www.weforum.org/agenda/2018/04/5-charts-that-reveal-how-india-sees-mental-health/
- https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC5479084/
- https://www.who.int>mental health
- *ईएन शीर्षक 36 : मानसिक स्वास्थ्य और सीबीआईडी*

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 7 : परिवारों और घनिष्ठ सहयोगियों का समर्थन करना; शीर्षक 1 : समायोजन और संवेदी प्रतिक्रिया की अवस्थाएं

सत्र 4.7.1.1/4.7.2.1 : दिव्यांगता के लिए परिवार का समायोजन और विपदा निवारण तंत्र			
चरण तीन; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु किसी परिवार के समायोजन के विभिन्न चरणों के बारे में अवगत होंगे तथा संवेदनता के साथ उन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे. प्रशिक्षु परिवार द्वारा प्रयोग में लाए जा रहे विपदा निवारण तंत्र का विश्लेषण करने में भी समर्थ होंगे।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	4.7.1.1 उस स्थिति में लोग किस प्रकार प्रतिक्रिया करते हैं, जब उन्हें परिवार में अकस्मात् मृत्यु की जानकारी दी जाती है।	प्रतिक्रियाएं और चर्चा	परिवार में अकस्मात् मृत्यु की स्थिति
	समायोजन चक्र; अर्थ, प्रक्रिया समायोजन प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारक	पीपीटी प्रस्तुतीकरण विचारोत्तेजक चर्चा भूमिका निर्वहन पीडब्ल्यूडी वाले किसी परिवार को दर्शाने वाली कोई फिल्म दिखाएं माइंड मैप	लैपटॉप मामले चार्ट
	4.7.2.1 पीडब्ल्यूडी परिवार का विपदा निवारण तंत्र; अभिवावक समूहों धर्म आदि का समर्थन करते हैं	विचारोत्तेजक चर्चा फ़िल्में दिखाएं और परिवार द्वारा प्रयोग में लाए जाने वाले विपदा निवारण तंत्रों की पहचान करें। सहायक और हानिकारक विपदा निवारण तंत्रों पर चर्चा करें	वीडियो मामले

संदर्भ :

- http://www.ldonline.org/article/5937
- https://digitalcommons.pcom.edu/cgi/viewcontent.cgi?article=k1434&context=kpsychology dissertations
- *ईएन शीर्षक 37 : समायोजन चक्र और विपदा निवारण तंत्र*

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 3 : सहायक और पुनर्वास उपकरणों की फिटिंग और प्रशिक्षण का समर्थन करना; शीर्षक 2 : घरेलू उपकरणों का निर्माण करना

सत्र 4.3.2.1 : घरेलू उपकरण तथा उनकी प्रासंगिकता और निर्माण			
चरण तीन; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : शिक्षार्थी घरेलू उपकरणों के बारे में और उनकी प्रासंगिकता के बारे में जानेंगे तथा इस बात से भी परिचित होंगे कि किस प्रकार कुछ आधारभूत अनुकूलन उपकरण तैयार किए जाते हैं।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	घरेलू सहायक उपकरण	विभिन्न प्रकार के घरेलू उपकरणों पर प्रतिक्रिया	
	गृह–निर्मित अनुकूलन उपकरण	विभिन्न प्रकार के गृह–निर्मित अनुकूलन उपकरणों पर प्रतिक्रिया	नमूना मॉडल अनुकूलन उपकरण (अर्थात खाने, पकड़ने, लिखने आदि के लिए)
		सहायक उपकरणों को तैयार करने के लिए अनुदेश लिखना अथवा प्राप्त करना और दाखिल करना **पोर्टफोलियो**	

संदर्भ :

- **डेविड वेर्नर द्वारा डिसेबल्ड विलेज चिल्ड्रन इस सत्र के लिए एक अत्यंत उपयुक्त संसाधन है.**
- *ईएन शीर्षक 30 : स्वदेशी उपकरण*

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेपों और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 1 : भूमिका की व्याप्ति के भीतर हस्तक्षेप संचालित करता है; शीर्षक 2 : समुदाय– आधारित हस्तक्षेप

सत्र 4.1.2.2: दिव्यांगता के बारे में समुदाय की धारणा का निर्धारण करना			
चरण तीन; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम: शिक्षार्थी अपने समुदाय के भीतर दिव्यांगता की समझ और धारना का निर्धारण करेंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रायोगिक कार्य : समूह समुदाय के सदस्यों के साथ संपर्क करेगा, दिव्यांगता के बारे उनकी धारणाओं को समझेगा और समुदाय में दिव्यांगजनों के बारे में उनके विचारों को जानेगा**		

संदर्भ :

- https://www.researchgate.net/publication/228345580 समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रमों में समुदाय की भागीदारी
- *ईएन शीर्षक 25 : चिकित्सा, नैदानिक और वैकल्पिक हस्तक्षेप*
- *ईएन शीर्षक 24 : समुदाय स्तर पर हस्तक्षेप* – यहां अवलोकन करें

टिप्पणी :

- **यह पाठ्यक्रम की अवस्था पर एक कठिन प्रारंभिक शीर्षक हो सकता है......... चरण एक में प्रशिक्षुओं ने दिव्यांगता के बारे में समुदाय की विभिन्न समुदाय की विभिन्न धारणाओं की समझ हासिल कर ली है।

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों को संगठित और प्रबंधित करना; मॉड्यूल 1 : वैयक्तिक कुशलता की निगरानी और उन्हें अनुरक्षित करता है; शीर्षक 2 : महिलाओं की सुरक्षा और कुशलता

सत्र 3.1.2.2 : दिव्यांग महिलाओं की आवश्यकताएं			
चरण तीन; सत्र :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : पुरुष और महिला कार्यकर्ता दिव्यांग महिलाओं के जोखिमों और आवश्यकताओं की तथा इनका निपटान करने के लिए विभिन्न तरीकों की पहचान करते हैं.			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	दिव्यांग बालिकाओं और महिलाओं के ऋतुस्राव स्वास्थ्य और प्रजनन अधिकारों के संबंध में समस्याएँ	मार्गदर्शित क्षेत्रीय दौरे	जांच–सूची और उत्तर दिए जाने वाले प्रश्नों की श्रृंखला
	देखिए अभिगम्य शौचालयों के मॉडल		अभिगम्य शौचालयों का सीबीएम मॉडल
	ऋतुस्राव स्वास्थ्य पर समावेशी शिक्षण को प्रेक्षित करना		
	दिव्यांग महिलाओं अथवा दिव्यांग बालिका के अभिभावकों के साथ संपर्क करना	दिव्यांगजनों के विवाह के विषय में समुदाय की राय की तथा दिव्यांगजनों की धारणाओं और चुनौतियों पहचान करना.	
	दिव्यांग महिलाओं की चुनौतयों के बारे में कक्षा में चर्चा।	बेहतर क्या था? क्या सुधार किए जाने की आवश्यकता है? स्वयं के अभिवृत्तियां जिन्हें बदले जाने की आवश्यकता है।	
	दिव्यांग महिलाओं की चुनौतयों को समझना.	समूह चर्चा : स्वच्छता के बारे में बालिकाओं और महिलाओं की विशिष्ट आवश्यकताएं क्या हैं? ग्रामीण शौचालयों को अभिगम्य कैसे बनाया जा सकता है? ऋतुस्राव के बारे में विनिर्दिष्ट दिव्यांगता के मुद्दे क्या हैं? इन आवश्यकताओं का निवारण करने के लिए क्या उपकरण उपलब्ध हैं? पोर्टफोलियो में सुरक्षा और कुशलता जांच–सूची प्रस्तुत करें।	

	दिव्यांग महिलाओं के प्रजनन अधिकार, बच्चे पैदा करने का अधिकार और लैंगिक अधिकार। अनेक अभिवावक अपनी दिव्यांग बालिकाओं की सुरक्षा के लिए श्रेष्ठ तरीका उन्हें बाध्य बनाना है। क्या यह सत्य है? इसके क्या विकल्प हैं?	मामला अध्ययन का प्रयोग करते हुए चर्चा करें. वाद–विवाद का प्रयोग किया जा सकता है, यदि उसे बेहतर रूप से संचालित किया गया हो.	

संदर्भ :

- https://www.un.org/development/desa/disabilities/resources/women-with-disabilities-fact-sheet.html
- http://www.vikalpdesign.com/sadhvi thukral.html
- https://www.unicef.org/wash/files/UNICEF-Guide-menstrual-hygiene-materials-2019.pdf

- *शीर्षक10 : महिलाओं की सुरक्षा और कुशलता*

पीबी एंड आरपी यूनिट तीन : वैयक्तिक कुशलता और सतत् शिक्षा अनुरक्षित करना; मॉड्यूल 1 : वैयक्तिक कुशलता की निगरानी और अनुरक्षण करना; शीर्षक 1 : कार्यस्थल की सुरक्षा

सत्र 3.1.1.3 : क्षेत्र में आने–जाने के लिए सुरक्षित यात्रा की योजना बनाना			
चरण तीन; सत्र :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु कार्यस्थल पर वैयक्तिक सुरक्षा को समझते हैं और उसकी जिम्मेदारी लेते है (केन्द्र/समुदाय)			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	सुरक्षा और वैयक्तिक उत्तरदायित्वों का परिचय	पावरपॉइंट	संसाधन सामग्री : 1. यात्रियों के लिए सीबीएम सामान्य सुरक्षा और संरक्षा 2. दिव्यांगजनों के लिए सीबीएम सामान्य सुरक्षा और संरक्षा (दस्तावेज के अंत में संलग्न) 3. नागरिक उपद्रव के दौरान सुरक्षा
	जोखिमों को समझना	विचारोत्तेजक सत्र – केंद्र में जोखिम	
	सड़क पर सुरक्षा	चर्चा – परिदृश्य	दस्तावेज 2 में मामला अध्ययन
	आवश्यकताओं तथा सुरक्षा के प्रावधान पर चर्चा	महिला शिक्षार्थी चर्चा करती हैं कि क्षेत्र में यात्रा सुरक्षा और स्वच्छता पर बेहतर रूप से ध्यान किया जा सकता है। अपनी सुरक्षा और स्वास्थ्य के प्रति उनकी क्या जिम्मेदारियां हैं?	
		अनके शिक्षार्थी चर्चा करते हैं कि अपने दल की महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक पुरुष सदस्य के रूप में वे क्या भूमिका निभाएँगे।	
	नागरिक उपद्रव के दौरान वैयक्तिक सुरक्षा	परिदृश्यों पर चर्चा करें अर्थात बंद, भीड़ द्वारा हिंसा	
	प्रायोगिक कार्य	क्षेत्र में सुरक्षित यात्रा के लिए योजना तैयार करें।	

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 23 : सुरक्षित यात्रा (सीबीएम)*
- *ईएन शीर्षक 9 : कार्यस्थल पर सुरक्षा*

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों को संचालित और प्रबंधित करना; मॉड्यूल 1 : कार्य योजनाएं तैयार करना; शीर्षक 1 : कार्य लक्ष्य

सत्र 2.1.1.3 : साप्ताहिक कार्य योजना तैयार करना

आपकी आईसीडी समुदाय परियोजना के प्रत्येक सप्ताह की योजना इस अपेक्षा की पूर्ति करती है। आप अपने **पोर्टफोलियो** असाइनमेंट में एक सप्ताह की योजना को लिखेंगे और इस बारे में अपने विचार **प्रलेखित** करेंगे कि आपने अपनी योजना का संचालन कितने अच्छे तरीके से किया।

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों को संचालित और प्रबंधित करना; मॉड्यूल 1 : कार्य योजनाएं तैयार करना; शीर्षक 1 : समय प्रबंधन

सत्र 2.1.2.3 : समय प्रबंधन का मूल्यांकन

आप समुदाय परियोजना के लिए आपके नियोजित लक्ष्यों को प्रबंधित करने की अपनी योग्यता का मूल्यांकन करेंगे और इस अंतिम ब्लॉक स्थापन के मध्य में अपने पर्यवेक्षक को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

आईसीडी यूनिट चार : समुदाय की कार्रवाई को समर्थन मॉड्यूल 2: परामर्श और कार्रवाई के लिए समूहों के साथ नेटवर्क स्थापित करना और कार्य करना; शीर्षक 3: समुदाय परियोजना संचालित करना

सत्र 4.2.3 : समुदाय परियोजना – समुदाय की बैठकों द्वारा समुदाय की आवश्यकताओं की पहचान करना			
चरण तीन; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : समुदाय की बैठकों की आवश्यकता और महत्त्व का वर्णन और उसे औचित्यपूर्ण बनाना; आवश्यकता की पहचान के लिए प्रक्रिया का वर्णन करना।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	समुदाय परियोजना का वर्णन करना	सामुदायिक परियोजना। इस अंतिम स्थापन के दौरान, आप पीआरए में पहचानी गई आवश्यकता को पूरा करने के लिए एक सामुदायिक परियोजना संचालित करेंगे। इसमें आपको प्राथमिकता वाले लक्ष्य की पहचान करने और उनकी संसाधन जरूरतों की पहचान करने, आवश्यक संसाधनों को शामिल करने, अभियान चलाने के लिए उनका समर्थन करने और भागीदारी मूल्यांकन करने के लिए समुदाय का समर्थन करना शामिल होगा... (आगे वर्णन करें!)	
	हाशिए पर रहने वाले समूहों की समुदाय आवश्यकताओं को प्रलेखित करना	प्रशिक्षु प्रशिक्षुओं को छोटे समूह चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे और यह प्रलेखित करेगा कि पीडब्ल्यूडी पर ध्यान–केंद्रित करते हुए हाशिए पर रहने वाले समूहों के संदर्भ में विशिष्ट समुदायों को क्या चाहिए।	चार्ट और मार्कर
	समुदाय की आवश्यकताओं का विश्लेषण	समूह आवश्यकताओं को निर्दिष्ट करते हुए अपने चार्ट प्रस्तुत करते हैं। प्रत्येक समूह अन्य समूहों के चार्टों का अवलोकन करेगा। उनके छोटे समूहों के भीतर, प्रशिक्षु विश्लेषण करेगा और पता लगाएगा कि उसमें क्या छूट गया है।	चार्ट और मार्कर
	प्राथमिकता संबंधी आवश्यकताओं के लिए समुदाय बैठकें आयोजित करना	समुदाय की प्राथमिकताओं के अनुसार आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए समुदाय बैठकों को आयोजित करने के लिए दिशा–निर्देश तैयार करना।	बोर्ड और मार्कर
	आवश्यकताएं और संसाधनों के लिंक	प्रशिक्षक प्रशिक्षुओं को उपलब्ध समुदाय संसाधनों को दोहराने के लिए सहायता प्रदान करेगा और उनका मिलान आवश्यकता के अनुरूप करेगा।	चार्ट
	प्रायोगिक–कार्य	संसाधनों के साथ संपर्क आवश्यकताएं	

संदर्भ :

- https://www.cdc.gov/globalhealth/healthprotection/fetp/training modules/15/community-needs pw final 9252013.pdf
- https://oregoncf.org/Templates/media/files/early childhood/p3 alignment/p3 cnra toolkit web.pdf

सामुदायिक परियोजना निर्देश – संभवतः चर्चा करने के लिए संभावित परियोजनाओं की सूची रखना मददगार होगा/विशेषज्ञ परामर्श के दौरान उसने इस सीबीआईडी पाठ्यक्रम का निर्माण करने में मदद की थी, भारत में कुछ महत्वपूर्ण सामुदायिक समावेशन की आवश्यकताओं को प्रतिक्रिया में सुझाई गई संभावित परियोजनाओं की एक श्रेणी पर प्रकाश डाला गया। इनमें से कुछ की एक सूची यहाँ तत्काल विचार के लिए दी गई है :

1. स्कूल–आधारित बाल क्लबों का गठन।
2. स्थानीय शिक्षित स्वयंसेवकों के साथ गृह–आधारित कोचिंग।
3. आईई पर विशेष प्रशिक्षण तक पहुँच बनाने के लिए शिक्षक की सहायता करना।
4. शिक्षकों के माध्यम से शिक्षा में आने वाली बाधाओं का कक्षा–आधारित निवारण करने के लिए सुविधा।
5. अभिभावकों के साथ/और उनके द्वारा स्कूल में दाखिले से इंकार करने या स्कूल छोड़ने के मुद्दों का निवारण करना।
6. स्कूल–आधारित बाल संसद का गठन जहाँ सीडब्ल्यूडी सहित स्कूली बच्चे स्कूल के प्रबंधन में नेतृत्व की भूमिका निभाते हैं।
7. विद्यालय सुधार समिति की बैठकों को सुकर बनाना और यह सुनिश्चित करना कि सीडब्ल्यूडी के अभिभावकों को इस बैठक का हिस्सा हैं तथा एसबीसी सीडब्ल्यूडी की जरूरतों को संबोधित कर रहे हैं।
8. स्कूल परिसर में दिव्यांग लड़कियों और लड़कों के लिए सुलभ शौचालयों की मरम्मत और रख–रखाव का कार्य करना।
9. स्कूल और घर में बाधा मुक्त वातावरण बनाने के लिए स्थानीय स्तर पर संसाधन जुटाना।
10. रोजगार मेलों का आयोजन करना,
11. विशेष रूप से दिव्यांग बालिकाओं के लिए स्थानीय रूप से वीटी और कौशल विकास प्रशिक्षण तक पहुँच बनाने के लिए पीडब्ल्यूडी और देखभाल कर्ताओं को प्रेरित करना।
12. कार्यस्थल अनुकूलन और विशेष रूप से श्रवण और दृष्टिबाधित लड़कियों और लड़कों की आकांक्षाओं और जरूरतों को पूरा करने के लिए नियोक्ता और तत्कालिक पर्यवेक्षकों को सहायता प्रदान करना (उदाहरण के लिए, सरल संकेत और इशारों को पढ़ाने के लिए)।
13. उच्च समर्थन आवश्यकताओं (गंभीर रूप से दिव्यांग) वाले व्यक्तियों के लिए घर–आधारित व्यवसाय को प्रोत्साहित करने के लिए परिवार के सदस्यों को प्रेरित करना और उन्हें सुविधा प्रदान करना।
14. समूह आईजीपी शुरू करने के लिए एसएचजी की सुविधा देना,
15. दिव्यांगजनों के स्टार्ट–अप के लिए जमानत के बिना ऋण का विस्तार करने के लिए सरकारी, मुख्यधारा के एमएफआई, एनबीएफसी सूक्ष्म वित्त संस्थान, गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनी) को सुविधा प्रदान करना और उनकी हिमायत करना,
16. स्थानीय कारीगरों को दिव्यांग प्रशिक्षुओं को वजीफे के साथ शिक्षु के रूप में नियुक्त करने के लिए प्रशिक्षित और प्रेरित करना।

17. दिव्यांगजनों के विवाह को बढ़ावा देने के लिए सरकारी योजनाओं को प्रोत्साहित करना और उन तक पहुंच बनाना।
18. लड़कियों और लड़कों को सरल यौन शिक्षा और ऋतुस्राव प्रक्रियाएं सिखाना।
19. सभी विवाहित दिव्यांग युगलों को परिवार नियोजन का प्रशिक्षण देने के लिए परिवार नियोजन कार्यकर्ताओं को सुविधा देना और उनका उपयोग करना।
20. मुख्यधारा के एसएचजी को बुजुर्गों में शामिल करने को सुकर बनाना।
21. डीपीओ और दिव्यांगता कार्यक्रमों के लिए निधि जुटाने के बारे में डीपीओ को प्रशिक्षित करना।
22. अंतर्राष्ट्रीय पीडब्ल्यूडी दिवस, मानवाधिकार दिवस, महिला दिवस आदि के अवसर पर डीपीओ के माध्यम से नियमित सार्वजनिक समारोहों के आयोजन को सुकर बनाना।
23. सभी मतदान केंद्रों में पहुँच सुनिश्चित करने के लिए डीपीओ सदस्यों को प्रशिक्षित करना।

आईसीडी यूनिट तीन : सरकारी एजेंसियों के साथ कार्य करना; मॉड्यूल 1 : सरकार की हिमायत और उसके साथ सहयोग; शीर्षक 2 : हिमायती अभियानों की योजना और तैयारी

सत्र 3.1.2.3 : हिमायत प्रस्तुतीकरण तैयार करना (4.2.3 असाइनमेंट का भाग)

चरण 2 के इस ब्लॉक में, आपने आईईसी सामग्री और हिमायत अभियान के लिए एक योजना विकसित की है। इस अंतिम ब्लॉक स्थापन में, आप समुदाय परियोजना के रूप में एक हिमायत प्रस्तुतीकरण पेश करेंगे। आपकी परियोजना के परिचय में इस प्रस्तुतीकरण का सारांश शामिल होगा।

- समुदाय परियोजना अनुदेश – आवश्यक!

आईसीडी यूनिट तीन : सरकारी एजेंसियों के साथ कार्य करना; मॉड्यूल 1 : सरकार की हिमायत और उसके साथ सहयोग; शीर्षक 2 : हिमायती अभियानों की योजना और तैयारी

सत्र 3.1.2.4 : परिवर्तन के सिद्धांत का निर्माण (4.2.3 असाइनमेंट का भाग)

समुदाय के साथ परिवर्तन के सिद्धांत के आरेख का निर्माण

- समुदाय परियोजना अनुदेश – आवश्यक!

सप्ताह 18

सप्ताह 18	चरण तीन ब्लॉक 4 सप्ताह 2 फील्ड में	
	पूर्वाह्न	अपराह्न
सोमवार	4.6.1.2 मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता प्रस्तुतीकरण के लिए संसाधनों का विकास करना जारी...	4.2.3 समुदाय परियोजना (असाइनमेंट)
मंगलवार	2.2.3.3 आपदा के संबंध मे तैयारी (इनपुट) (सेटअप) समुदाय परियोजना के भाग के रूप में, आप आपदा के संबंध में तैयारी करने के लिए दिव्यांगजनों को हो सकने वाले जोखिमों की पहचान करेंगे, जिससे इस शीर्षक की अपेक्षा की पूर्ति होगी।	4.2.3 समुदाय परियोजना (यह सुनिश्चित करें कि आप अपनी योजना में आपके विभिन्न क्रियाकलापों में दिव्यांगजनों को हो सकने वाले संभावित जोखिमों की योजना बनाते हैं और आप इनका निवारण किस प्रकार करेंगे। इसमें यह भी शामिल करें कि आपातस्थिति अथवा आपदा आने की स्थिति में आप क्या करेंगे (यह पीबी एंड आरपी 2.2.3.3 की अपेक्षाओं को पूरा करता है) (असाइनमेंट)।
बुधवार	2.1.2.3 समय प्रबंधन–अगले सप्ताह आप अपने समय प्रबंधन कौशलों पर तथा इस बात पर ध्यान–केंद्रित करेंगे कि कौन सी बात आपको समय और प्रतिबद्धता के बारे में जिम्मेदार बनाने में मदद प्रदान करती है जिससे आप प्रभावी, विश्वसनीय और भरोसेमंद बनते हैं। इस सत्र में इस बात पर ध्यान देते हुए कुछ समय व्यतीत करें कि आप कब और कैसे परिणामों को प्रलेखित करेंगे।	4.6.1.2 नाटक अथवा पोस्टरों की सहायता से मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों पर समुदाय जागरूकता प्रस्तुतीकरण
गुरुवार	4.2.3 समुदाय परियोजना (असाइनमेंट)	4.7.1.2 जर्नल परिवारों के साथ संपर्कों के बारे में प्रतिक्रिया–सहायक समायोजन, बिना किसी पक्षपात के प्रतिक्रिया व्यक्त करना, उपयोगी जानकारी प्रदान करना
शुक्रवार	4.2.3 समुदाय परियोजना (असाइनमेंट)	4.7.2.2 परिवार के विपदा निवारण तंत्रों को प्रलेखित करें जर्नल

चरण तीन सप्ताह 18

ए एंड आई

4.6.1.2	मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता प्रस्तुतीकरण के लिए संसाधनों का विकास
4.7.1.2	जर्नल – परिवारों के साथ हस्तक्षेपों पर विचार व्यक्त करना
4.7.2.2	जर्नल – किसी परिवार के समस्या–निवारण तंत्र को प्रलेखित करना

पीबी एंड आरपी

2.2.3.3	आपदा की तैयारियां
2.1.2.3	समय प्रबंधन

आईसीडी

4.2.3	असाइनमेंट – समुदाय परियोजना

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 6: मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से ग्रसित लोगों के साथ कार्य करना और उन्हें सहयोग देना; शीर्षक 1 : समुदाय में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता मे वृद्धि करना

सत्र 4.6.1.2 : संसाधन विकसित करना और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम तैयार करना			
चरण तीन; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से ग्रसित लोगों द्वारा झेली जा रही चुनौतियों के बारे में जागरूकता का सृजन करने में समर्थ होंगे।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रयोग	शिक्षार्थी सीबीआईडी पर्यवेक्षक की निगरानी में किसी नाटक अथवा पोस्टरों के फॉर्मेट का प्रयोग करते हुए मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों पर जानकारी प्राप्त करने मे समर्थ होंगे	

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 7 : परिवारों तथा उनके घनिष्ट सहयोगियों की सहायता करना; शीर्षक 1 : समायोजन और संवेदी प्रतिक्रिया के चरण

सत्र 4.7.1.2 : परिवार समायोजन चक्र और विपदा निवारण तंत्रों को सहयोग देना			
चरण तीन; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु किसी परिवार के समायोजन चरण को पहचानने की उनकी योग्यता को प्रदर्शित करेंगे तथा संवेदनशीलता के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे और उस सहयोग की प्रकृति पर विचार करेंगे, जो सीबीआईडी कार्यकर्ता उपलब्ध करा सकता है			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रयोग	किसी परिवार के साथ रहते हुए अपने अनुभव प्रतिबिंबित करें, उन पर चर्चा करें और उन्हे **प्रलेखित** करें क्योंकि वे दिव्यांगता के साथ रहते हुए समायोजन कर लेते है– समायोजन और निपटान कार्यनीतियों की अवस्थाओं की पहचान करने की योग्यता, सही समय पर उपयोगी जानकारी देना, बिना पक्षपात के प्रतिक्रिया देना, और सीबीआईडी भूमिका के अनुरूप सहायता प्रदान करना।	सफेद बोर्ड

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 37 : समायोजन चक्र और विपदा निवारण तंत्र –* यहां अवलोकन करें

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप और सहायता प्रदान करना; मॉड्यूल 7: परिवारों तथा उनके घनिष्ट सहयोगियों की सहायता करना; शीर्षक 2: आपदा निवारण तंत्र

सत्र 4.7.2.2 : परिवार के आपदा निवारण तंत्रों को प्रलेखित करना			
चरण तीन; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु किसी परिवार के समायोजन चरण को पहचानने की उनकी योग्यता को प्रदर्शित करेंगे तथा संवेदनशीलता के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे और उस सहयोग की प्रकृति पर विचार करेंगे, जो सीबीआ.ईडी कार्यकर्ता उपलब्ध करा सकता है			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रयोग	किसी दिव्यांगजन के परिवार में जाएं और परिवार द्वारा उपयोग किए जाने वाले विपदा निवारण तंत्र को प्रतिबिंबित करें। बिना किसी पक्षपात के परिवार को प्रतिक्रिया दें (पहले उनके प्रेक्षणों पर पर्यवेक्षकों के साथ चर्चा करें और बाद में अपनी कक्षा में उन पर चर्चा करें) उनके प्रेक्षणों पर साथियों के बीच चर्चा करें और विभिन्न आपदा निवारण कौशलों की तुलना करें।	

संदर्भ :

- यह निवारक रणनीतियों पर सप्ताह 17 की प्रतिक्रियाओं के प्रयोग है।

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों का संचालन और प्रबंधन; मॉड्यूल 2 : आकस्मिकताओं को प्रबंधित करता है; शीर्षक 3 : आपदा से निपटने की तैयारी

सत्र 2.2.3.3 : स्थानीय समुदाय में जोखिमों की पहचान करना			
	आपदा से निपटने की तैयारी – यह क्रियाकलाप आईसीडी समुदाय परियोजना के भाग के रूप में संचालित किया जाता है	समुदाय में एक चक्कर लगाएं और दिव्यांगजनों के लिए जोखिमों को पहचानें। आश्रयों, चेतावनी प्रणालियों और उनकी पहुंच की पहचान करें।	
(प्रयोग सत्र 2 चरण 2) जो बदला जा सकता है, उसकी पहचान करना			
	अपनी यात्रा के निष्कर्षों पर इस संदर्भ में चर्चा करें कि क्या अच्छा है और किस चीज में सुधार की आवश्यकता है	उन चीजों की पहचान करना जिन्हें समुदाय की सहायता से बदला जा सकता है	

संदर्भ :

- शीर्षक 18 : आपदा से निपटने की तैयारी

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों का संचालन और प्रबंधन; मॉड्यूल 1 : कार्य योजना तैयार करना; शीर्षक : आपदा से निपटने का समय प्रबंधन

सत्र 2.1.2.3 : आपके अपने समय प्रबंधन की निगरानी करना

समय प्रबंधन जारी...अपने समय प्रबंधन कौशलों पर विचार करें और उन्हें प्रलेखित करें तथा यह भी उल्लेख करें कि समय और प्रतिबद्धता के प्रति जिम्मेदार रहने में आपका सहयोग कौन करता है, जिससे कि आप प्रभावी, विश्वसनीय और भरोसेमंद बनते हैं।

संदर्भ :

- शीर्षक 17 : समय प्रबंधन और समय पर रिपोर्टिंग

आईसीडी यूनिट चार : समुदाय की कार्रवाइयों को सहायता देना; मॉड्यूल 2 : परामर्श और कार्रवाई के लिए समूहों के साथ नेटवर्क स्थापित करना और उनके साथ काम करना; शीर्षक 3 : समुदाय परियोजना संचालित करना

आईसीडी सत्र योजना : 4.2.3

समुदाय परियोजना जारी...सुनिश्चित करें कि आप अपनी योजना में आपके विभिन्न क्रियाकलापों में दिव्यांगजनों के संभावित जोखिमों की योजना किस प्रकार बनाते हैं और आप इन्हें किस प्रकार प्रबंधित करेंगे। इसमें यह भी शामिल करें कि आप किसी आपात स्थिति अथवा आपदा के घटित होने की स्थिति में क्या करेंगे (यह पीबी एंड आरपी 2.2.3.3 की अपेक्षाओं की पूर्ति करता है)।

- ईएन शीर्षक 8 : समुदाय की कार्रवाई को सहयोग देना
- समुदाय परियोजना अनुदेश – आवश्यक !

सप्ताह 19

सप्ताह 19	चरण तीन ब्लॉक 4 सप्ताह 3 क्षेत्र में	
	पूर्वाह्न	अपराह्न
सोमवार	2.6.2.2 (इनपुट) सहायता लक्ष्य निर्धारित और प्राप्त करने के लिए परिवारों की सहायता करना। चरण 2 में आपने एक परिवार के साथ आईएफएसपी विकसित किया है और उन्हें अन्य हितधारकों के साथ भागीदारीपूर्ण अनुभव प्रदान किए हैं। इस अंतिम ब्लॉक स्थापन में, आप उनकी आवश्यकताओं के संदर्भ में प्राप्ति के लिए लक्ष्य निर्धारण और योजना तैयार करने मे सुविधा प्रदान करेंगे।	4.2.3 समुदाय परियोजना (असाइनमेंट)
मंगलवार	3.1.3.1 भावनात्मक स्वास्थ्य अनुरक्षित करना 3.2.1 – 3.2.2 स्व–आकलन और सतत् शिक्षण **पोर्टफोलियो** 3.2.1.2 अपने जर्नल में नोट करें कि आप अपने द्वारा किए जा रहे कार्य के बारे में क्या महसूस करते हैं – अपनी प्रगति के बारे में बताएं और उन शिक्षण लक्ष्यों का वर्णन करें जिन पर आप अपने पर्यवेक्षक के साथ चर्चा करना चाहते हैं।	4.2.3 समुदाय परियोजना (असाइनमेंट)
बुधवार	3.1.2.3 महिलाओं की सुरक्षा और कुशलता– इस विषय पर किसी मार्गदर्शित क्षेत्रीय दौरे में भाग लें और इन मुद्दों पर जांच–सूची/प्रश्नावली पूर्ण करें	2.6.2.2 परिवार के साथ लक्ष्य प्राप्ति के लिए लक्ष्य निर्धारण और योजना बनाना
गुरुवार	4.2.3 समुदाय परियोजना (असाइनमेंट)	2.6.2.2 लक्ष्य निर्धारण और योजना बनाना जारी....
शुक्रवार	4.2.3 समुदाय परियोजना (असाइनमेंट)	3.2.2.3 प्रमाणन को सुकर बनाने के लिए 3.2.2.2 (चरण 2 ब्लॉक 2) के लिए एकत्र सामग्री का प्रयोग करते हुए परिवार के साथ कार्य करना

चरण तीन सप्ताह 19

ए एंड आई

2.6.2.2	परिवारों को सहायक लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने में मदद प्रदान करना
3.2.2.3	प्रमाणीकरण सुकर बनाने के लिए परिवार के साथ कार्य करना

पीबी एंड आरपी

3.1.3.1	संवेदनात्मक स्वास्थ्य की निगरानी और अनुरक्षण
3.2.1/2.1	**पोर्टफोलियो** – स्व–आकलन और सतत् शिक्षण
3.2.1.2	प्रगति प्रतिबिंबन
3.1.2.3	महिला सुरक्षा और कुशलता

आईसीडी

4.2.3	**असाइनमेंट** – समुदाय परियोजना

ए एंड आई यूनिट दो : आकलन और आयोजना; मॉड्यूल 6 : यथार्थ और प्रेरणाप्रद आयोजना और लक्ष्य निर्धारण को सहायता; शीर्षक 2 : परिवार द्वारा लक्ष्य प्राप्ति को सहयोग देना

सत्र 2.6.2.2 : परिवारों को सहायक लक्ष्य निर्धारित करने और प्राप्त करने में सहयोग देना

चरण 2 में, आपने एक परिवार के साथ आईएफएसपी तैयार किया था और उसके सदस्यों को अन्य हितधारकों के साथ प्रतिभागितापूर्ण अनुभव भी प्रदान किया था। इस अंतिम ब्लॉक स्थापन में, आप उनकी सहयोग संबंधी आवश्यकताओं के संबंध में उपलब्धि के लिए लक्ष्य निर्धारण और आयोजना को सुकर बनाएंगे। (2.6.2.1 के लिए, देखिए सप्ताह 8, पृष्ठ 126)

ए एंड आई यूनिट तीन : जानकारी, संपर्कों और रेफेरेल को सुकर बनाना; मॉड्यूल 2 : प्रमाणीकरन; शीर्षक 2 : प्रमाणीकरण पूर्वापेक्षाएं और अर्हता सुनिश्चित करना

सत्र 3.2.2.3 : किसी परिवार के लिए प्रमाणीकरण प्राप्त करना

3.2.2.2 के लिए हासिल की गई प्रक्रिया का प्रयोग करते हुए प्रमाणीकरण को सुकर बनाने के लिए परिवार के साथ कार्य करना

पीबी एंड आरपी यूनिट तीन : वैयक्तिक कुशलता और सतत् शिक्षा अनुरक्षित करना

मॉड्यूल 1 : वैयक्तिक कुशलता की निगरानी और अनुरक्षण; शीर्षक 3 : भावनात्मक स्वास्थ्य और कुशलता

सत्र 3.1.3.1 : अपने भावनात्मक स्वास्थ्य का अनुरक्षण			
चरण दो; सत्र संख्या			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु आघातों को सहने और भावनात्मक स्थायित्व बनाए रखने के लिए वैयक्तिक रणनीतियां विकसित करते हैं।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रस्तावना देखभालकर्ता की भूमिका में होने के कारण हमारा व्यावहार शुष्क हो सकता है इसलिए हमें भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहने के लिए सुविचारित रहने की आवश्यकता है। लेकिन हमारे भावनात्मक स्वास्थ्य की देखभाल करने के विभिन्न तरीके विद्यमान हैं।	***कथानक :*** क्षेत्र में सीबीआईडी कार्यकर्ता जो अकेलेपन से जूझते हैं, ग्राहकों की कई दुखद स्थितियां देखते हैं, समाज की उदासीनता को झेलते है, और अंतत : वे सब कुछ त्याग देने की अवस्था पर पहुंच जाते है। (अगर कोई वास्तविक कहानी है, तो अच्छा होगा, यदि नहीं है, तो आप यथार्थवादी परिदृश्य बना सकते हैं)। समूहों में चर्चा करें कि वे कौन से कारक हैं जिनकी वजह से वह कार्य को छोड़ना चाहते हैं? क्या ऐसा कोई उपाय है जो उन्होंने स्वयं को इस स्थिति में आने से रोकने के लिए किया है?	
	भावनात्मक स्वास्थ्य क्या है ? यह सकारात्मक भावनात्मक और मानसिक कार्यकरण की स्थिति है। हम कहते हैं कि कोई व्यक्ति भावनात्मक रूप से स्वस्थ है, जब उसके विचार, भावना और व्यवहार इष्टतम रूप से सकारात्मक होते हैं। यह हमारी समग्र कुशलता में योगदान देता है जिस प्रकार से हम अपने जीवन के सभी अच्छे और बुरे समय में सोचते हैं, महसूस करते हैं और करते हैं। भावनात्मक रूप से स्वस्थ होने का अर्थ है कि हम असफलताओं से उबर सकते हैं और समस्याओं के बावजूद अच्छी तरह से काम करना जारी रख सकते हैं।	जागरूकता	
	किसी सीबीआईडी कार्यकर्ता के कार्य में ऐसी कौन सी परिस्थितियां होती हैं जो उसे भावनात्मक रूप से आघात प्रदान करती हैं? निराशाएं असफलता सामाजित सहायता का अभाव बहुत मेहनत से अधिक समय तक कार्य करना अन्याय सहते हुए कार्य करना	जागरूकता का सृजन करता है और फिर प्रशिक्षक अन्य कारकों का भी सहारा लेता है	

समय	विषय–वस्तु	क्रियाकलाप	संसाधन
	विफलता और आघात जीवन का एक हिस्सा हैं, अत : इनका शिकार होने से बचने के लिए सीबीआईडी कार्यकर्ता को क्या करना चाहिए? क्या करें : शारीरिक स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें – – पर्याप्त कसरत करें – पर्याप्त नींद लें – स्वस्थ आहार लें अपने साथ वरिष्ठ साथी रखें, जो आपके मार्गदर्शक हो सकते हैं और आपको प्रोत्साहित कर सकते हैं, जब कभी अपेक्षित हो, विराम लें, उन शौकों को विकसित करें अथवा उनके लिए समय निकालें, जिन्हें आप पसंद करते हैं, मित्रों के साथ समय व्यतीत करें, आध्यात्मिक अनुशासन अनुरक्षित करें, यह आपको शक्ति प्रदान करता है, कार्य की यथार्थवादी योजना बनाएं। क्या न करें : अधिक कार्य अत्यधिक सोशल मीडिया नशीले पदार्थों का सेवन स्वयं को दोष देना	पीपीटी	लैपटॉप और प्रोजेक्टर
	नकारात्मक परिणामों, निराशाओं और साथ ही विरोध और विषम स्थितियों से निपटना। अपने वरिष्ठों और सहयोगियों के साथ चर्चा। नकारात्मक परिणामों को विषयपरक रूप से देखना और उनसे सबक लेना। किसी पर दोषारोपण करने से बचना। यह बात समझना कि हर बात आपकी योजना के मुताबिक नहीं हो सकती है? शोक की अवस्थाओं को समझना और दूसरों को शोक से बाहर आने के लिए पर्याप्त समय देना।	प्रतिक्रिया – क्या आपने उन ग्राहकों के संबंध में किसी नकारात्मक परिणाम का अनुभव किया है, जिनके साथ आपने कार्य किया है? इसमें आपको क्या कठिनाइयां आईं। आपने उनका निवारण किस प्रकार किया? अथवा कुछ ऐसे परिदृश्य बताएं, यदि उनका सामना नहीं हुआ हो।	
	सारांश और प्रतिक्रिया	आपने आज क्या सीखा? कोई एक तरीका लिखें जिससे आप अपने भावनात्मक स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं?	

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 22 : भावनात्मक स्वास्थ्य और नकारात्मक परिणामों को प्रबंधित करना*

पीबी एंड आरपी यूनिट तीन : वैयक्तिक कुशलता और सतत् शिक्षा अनुरक्षित करना

मॉड्यूल 2: वैयक्तिक विकास और शिक्षण; शीर्षक 2: स्व–आकलन; शीर्षक 2: सतत् शिक्षण

<table>
<tr><td colspan="4">सत्र 3.2.1/3.2.2 : स्व–आकलन और सतत् शिक्षण</td></tr>
<tr><td colspan="4">चरण दो; सत्र संख्या</td></tr>
<tr><td colspan="4">सत्र की अवधि :</td></tr>
<tr><td colspan="4">प्रशिक्षुओं की संख्या :</td></tr>
<tr><td colspan="4">प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु सच्चे अर्थों में स्वयं का आकलन कर सकते हैं और अपेक्षित प्रासंगिक सहायता प्राप्त करते हुए ज्ञान और सक्षमता में खामियों का निवारण कर सकते हैं।</td></tr>
<tr><th>समय</th><th>विषय–वस्तु</th><th>क्रियाकलाप</th><th>संसाधन</th></tr>
<tr><td></td><td>प्रस्तावना :
यह छह महीने का पाठ्यक्रम है, अत : हम संभवत : आपको हर बात नहीं बता सकते हैं। जीवन मे पूर्ति की भावना लाने और उसके लिए कार्य करने का तरीका तलाशने का एक मार्ग निरंतर सीखते रहने के अवसर ढूंढना है।</td><td>अनुदेशक अतिसक्रियता के साथ वर्णन करता है</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td>जौहरी विंडो – देखिए निम्नलिखित संसाधन</td><td>पावरप्वाइंट</td><td>लैपटॉप, प्रोजेक्टर</td></tr>
<tr><td></td><td>स्व–आकलन क्या है?</td><td>एक सामान्य स्व–आकलन उपकरण प्रदान करें – पोर्टफोलियों में फाइल करें</td><td>देखिए निम्नलिखित संसाधन.... इससे अथवा अन्य उपकरणों से सुझाव ग्रहण किए जा सकते हैं।</td></tr>
<tr><td></td><td>सतत् शिक्षण का महत्व</td><td>कुछ उदाहरण दें</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td>स्व–आकलन तथा संचालित किए जाने वाली छात्र संगोष्ठी पर कार्यों का वर्णन करें।</td><td></td><td></td></tr>
</table>

संदर्भ :

- **जौहरी विंडो** : इस लिंक से जानकारी का प्रयोग किया जा सकता है, परंतु सामग्री कॉपीराइट के तहत हो सकती है :
- https://www.selfawareness.org.uk/news/understanding-the-johari-window-model

स्व: आकलन

https://www.bookwidgets.com/blog/2017/06/stimulate-your-students-with-these-10-creative-self-assessment-ideas

व्यावहारिक अनुप्रयोग के लिए विचार :

छात्र संगोष्ठियां : प्रत्येक शिक्षार्थी एक विषय पर शोध कर सकता है और स्वयं के लिए सीखने का अवसर प्रदान के लिए एक संगोष्ठी का संचालन कर सकता है (उपयुक्त विषयों का चयन करने की आवश्यकता है – संभवत : वे छोटे समूहों में काम कर सकते हैं और प्रत्येक शोध विषय का एक हिस्सा है। यह कार्य उन्हें अनुभव देने के लिए चरण 2 तक निरंतर चल सकता है)। प्रस्तुतीकरण के बाद, प्रत्येक शिक्षार्थी यह आकलन कर सकता है कि उन्होंने एक साधारण मूल्यांकन उपकरण के साथ कैसा प्रदर्शन किया है। उनका उनके साथियों और पर्यवेक्षक द्वारा उनकी प्रस्तुति के आधार पर मूल्यांकन भी किया जा सकता है। इसके उपरांत, उनमें से प्रत्येक इस संबंध में अपनी राय प्रतिबिंबित करेगा कि क्या बेहतर किया जा सकता था और उन संसाधनों की पहचान करेगा, जो उन्हें उस क्षेत्र में सुधार करने में मदद कर सकते हैं।

चिंतनशील जर्नल : प्रत्येक शिक्षार्थी एक चिंतनशील जर्नल रख सकता है और प्रत्येक सप्ताह के अंत में या प्रत्येक प्रमुख आयोजन के बाद उसकी समीक्षा कर सकता है और यह जान सकता है कि क्या अच्छा हुआ और क्या नहीं। इसमें अपने प्रदर्शन की शक्तियों को मान्यता दिया जाना और खामियों की पहचान किए जाने की आवश्यकता है :

1. विषय वस्तु का ज्ञान
2. दिव्यांगजनों की देखभाल करने का कौशल,
3. अंतर्वैयक्तिक संपर्क – दल के साथ, ग्राहकों के साथ,
4. कार्य योजना तैयार करना और क्रियान्वित करना
5. आवश्यक स्तर की पहुंच हासिल करने की क्षमता
6. आघातों और संकट की स्थिति से निपटना
7. दल के बारे में सीखना और भावनाओं को संभालना।

प्रत्येक माह की समाप्ति पर, वे अपने पर्यवेक्षकों के साथ चर्चा कर सकते है तथा पर्यवेक्षक सीखने और विकास करने की उनकी योग्यता के संदर्भ में उनकी प्रगति को ग्रेड कर सकते हैं।

पीबी एंड आरपी यूनिट तीन : वैयक्तिक कुशलता और सतत् शिक्षा अनुरक्षित करना

मॉड्यूल 2 : वैयक्तिक विकास और शिक्षण; शीर्षक 1 : स्व–आकलन

सत्र 3.2.1.2 : प्रगति प्रतिबिंबन

अपने जर्नल में नोट करें कि आप क्या महसूस करते हैं कि आप कैसा कार्य कर रहे हैं – अपनी प्रगति और उन शिक्षण लक्ष्यों पर प्रकाश डालिए जिन पर आप अपने वरिष्ठों के साथ चर्चा करना चाहते हैं।

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 24 : स्व–आकलन और सतत् शिक्षा*

पीबी एंड आरपी यूनिट तीन : वैयक्तिक कुशलता और सतत् शिक्षा अनुरक्षित करना; मॉड्यूल 1 : वैयक्तिक कुशलता की निगरानी करना और अनुरक्षित करना; शीर्षक 2 : महिलाओं की सुरक्षा और कुशलता

सत्र 3.1.2.3 : क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा और कुशलता की जांच–सूची पूर्ण करना

इस शीर्षक पर किसी निर्देशित क्षेत्रीय दौरे में प्रतिभागिता करें और विभिन्न मुद्दों पर जांच–सूची/प्रश्नावली पूर्ण करें

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 10 : महिला सुरक्षा और कुशलता*

आईसीडी यूनिट चार : समुदाय की कार्रवाई को सहयोग; मॉड्यूल 2 : हिमायत और कार्रवाई समूहों के साथ नेटवर्क स्थापित करना और कार्य करना; शीर्षक 3 : समुदाय परियोजना प्रारंभ करना

आईसीडी सत्र योजना : 4.2.3

समुदाय परियोजना जारी...

- *ईएन शीर्षक 8 : समुदाय की कार्रवाई को सहयोग*
- *समुदाय परियोजना अनुदेश – आवश्यक !*

सप्ताह 20

सप्ताह 20	चरण तीन ब्लॉक 4 सप्ताह 4 फील्ड में	
	पूर्वाह्न	अपराह्न
सोमवार	3.2.2.3 परिवार को प्रमाणन हासिल करने में सहायता करना जारी...	3.1.2.3 हिमायत प्रस्तुतीकरण (4.2.3 समुदाय परियोजना में समाविष्ट) **(असाइनमेंट)**
मंगलवार	2.2.1.2 नकारात्मक परिणामों को प्रबंधित करना 3.1.3.2 स्वस्थ रिश्ते संपोषित करना 2.1.2.3 समय प्रबंधन। अपने पर्यवेक्षक से मिलें और समुदाय परियोजना के कार्यों के संबंध में पिछ्ले सप्ताह अपने समय–प्रबंधन पर चर्चा करें।	3.1.2.3 हिमायत प्रस्तुतीकरण (4.2.3 समुदाय परियोजना में समाविष्ट) **(असाइनमेंट)**
बुधवार	3.2.2.2 सतत् शिक्षण के लिए अवसर – यह उन विभिन्न तरीकों से अवगत होने का अवसर है जिनके माध्यम से आप सतत् शिक्षण और विकास सुनिश्चित कर सकते हैं। किसी ऐसे कौशल को नोट करें जिसे आप आगामी सत्र और आपके द्वारा चुने गए जानकारी के स्रोत पर ध्यान–केंद्रित करने के लिए सीखना चाहेंगे।	3.3.1.3 समुदाय में सेवाओं तक पहुंच को सुकर बनाना – समूह परियोजना
गुरुवार	4.2.3 समुदाय परियोजना **(असाइनमेंट)**	3.3.2.2 समुदाय में पुनर्वास सेवाओं का एकल खिड़की प्रावधान – समूह परियोजना जारी...
शुक्रवार	4.2.3 समुदाय परियोजना **(असाइनमेंट)**	4.1.2.3 किसी समुदाय प्रतिभागिता क्रियाकलाप का प्रदर्शन (सेटअप)।। चरण 2 ब्लॉक 1 में हमने समुदाय–स्तर के हस्तक्षेपों पर चर्चा की थी। इस अंतिम ब्लॉक स्थापन में, आप एक समुदाय प्रतिभागिता क्रियाकलाप का प्रदर्शन करेंगे। इस सत्र के शेष भाग के दौरान, आप अपने हस्तक्षेप का चयन करेंगे और यह दर्शाएंगे कि आप किस प्रकार उसे संचालित करते हैं।

चरण तीन सप्ताह 20

ए एंड आई

3.2.2.3	प्रमाणीकरण को सुकर बनाने के लिए किसी परिवार के साथ कार्य करना
3.3.1.3	सेवाओं तक पहुंच बनाने को सुकर बनाना
3.3.2.2	पुनर्वास सेवाओं का एकल खिड़की प्रावधान
4.1.2.3	समुदाय प्रतिभागिता क्रियाकलाप प्रदर्शित करना

पीबी एंड आरपी

2.2.1.2	नकारात्मक परिणामों को प्रबंधित करना
3.1.3.2	स्वस्थ संबंध संपोषित करना
2.1.2.3	समय प्रबंधन
3.2.2.2	सतत् शिक्षा के लिए अवसर

आईसीडी

3.1.2.3	**असाइनमेंट** – हिमायती प्रस्तुतीकरण
4.2.3	**असाइनमेंट** – समुदाय परियोजना

ए एंड आई यूनिट तीन : ज्ञान, संपर्कों और रेफरल को सुकर बनाना; मॉड्यूल 2: प्रमाणीकरण; शीर्षक 2 : प्रमाणीकरण पूर्वापेक्षाएं और अर्हता सुनिश्चित करना

सत्र 3.2.2.3 : प्रमाणीकरण को सुकर बनाने के लिए किसी परिवार के साथ काम करना

सप्ताह 19 से जारी...

ए एंड आई यूनिट तीन : ज्ञान, संपर्कों और रेफरल को सुकर बनाना; मॉड्यूल 3 : उपयुक्त, समय पर सूचना; शीर्षक 1 : रेफरल

सत्र 3.3.1.3 : सेवाओं की पहुंच को सुकर बनाना			
चरण तीन : सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु रेफेरलों के माध्यम से सेवाओं की पहुंच को सुकर बनाते हैं			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रयोग – एक सफल रेफरल करना	**प्रस्तुतीकरण**: 3–4 प्रशिक्षुओं के समूह में, अपने स्थापन के समय ऐसे ग्राहकों के मामला अध्ययन तैयार करें, जिन्हें रेफेरल अपेक्षित था तथा आपके द्वारा सप्ताह 11–12 में तैयार की गई संसाधन निर्देशिका का प्रयोग करते हुए प्रत्येक के संबंध में रेफेरल प्रक्रिया और प्रलेखीकरण को प्रस्तुत करें।	

संदर्भ :

- https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC6480147/

टिप्पणियां :

- ये रेफेरल पर इनपुट का प्रयोग सत्र है– सप्ताह 9, 11 और 12

ए एंड आई यूनिट तीन : ज्ञान, संपर्कों और रेफरल को सुकर बनाना; मॉड्यूल 3 : उपयुक्त, समय पर सूचना; शीर्षक 1 : रेफरल

सत्र 3.3.2.2 : एकल खिड़की सेवा प्रावधान			
चरण तीन : सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु एकल खिड़की सेवा प्रावधान के माध्यम से सेवाओं की पहुंच को सुलभ बनाते हैं			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रयोग	किसी ग्राहक के लिए रेफरल मार्ग क्रियान्वित करना और प्रक्रिया का प्रलेखीकरण करना। समुदाय मे एकल खिड़की सेवा प्रावधान की योजना बनाना और उसे क्रियान्वित करना।	

संदर्भ :

- यह एकल खिड़की सेवा प्रावधान पर इनपुट का प्रयोग सत्र है – सप्ताह 9
- *ईएन शीर्षक 22 : रेफेरल –एकल खिड़की सेवा प्रावधान*

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप में सहायता और उसे उपलब्ध कराना; मॉड्यूल 1 : भूमिका की व्याप्ति में हस्तक्षेप संचालित करना; शीर्षक 2 : समुदाय–आधारित हस्तक्षेप

सत्र 4.1.2.3 : समुदाय प्रतिभागिता क्रियाकलाप प्रदर्शित करना

प्रशिक्षु उस समुदाय प्रतिभागी क्रियाकलाप का प्रदर्शन करते है, जिस पर वे कार्य कर रहे होते हैं.

यूनिट तीन : वैयक्तिक कुशलता अनुरक्षित करना और शिक्षा जारी रखना; मॉडल 1 : वैयक्तिक कुशलता की निगरानी करना और उसे अनुरक्षित करना; शीर्षक 3 : भावनात्मक स्वास्थ्य और कुशलता

सत्र 3.1.3.2 : मजबूत रिश्ते बनाना			
चरण दो : सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु जीवन के आघातों से निपटने के लिए वैयक्तिक रणनीतियां विकसित करते हैं और भावनात्मक स्थिरता अनुरक्षित करते हैं			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	प्रस्तावना छात्रों को भावनात्मक रूप से शामिल होने के खतरों के प्रति सचेत करना और समस्याओं को रोकने के लिए स्वस्थ संबंधों को बनाए रखने का महत्व समझाना।	**समूह चर्चा :** किसी ऐसे व्यक्ति के परिकल्पनात्मक मामला अध्ययन को प्रस्तुत करें जिसने किसी ग्राहक के साथ किसी भावनात्मक संबंध का अनुभव प्राप्त किया था। उसमें क्या बात गलत हुई? सीबीआईडी कार्यकर्ता उस स्थिति के घटित होने को किस प्रकार टाल सकता था?	कहानी
	मजबूत रिश्ते किसी भी परिस्थिति में, हमारे पास हमारी प्रतिक्रिया का चयन करने की योग्यता होती है। वास्तविक जीवन में लोगों के साथ अपने रिश्तों में हम प्रत्येक दिन जिन अनेक परिस्थितियों का सामना करते हैं, उसे हम 'संबंध उद्दीपन (आरएस)' कहते हैं। उद्दीपन किसी प्रतिक्रिया को उत्पन्न करता है। अत : लोगों के साथ संबंध बनाने में, हमें प्रतिक्रिया व्यक्त करनी होती है। और या तो संबंध बनाने के लिए हम बेहतर प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकते हैं, या फिर अवरोध बनाने के लिए खराब प्रतिक्रिया दर्शा सकते हैं। कोई भी प्रतिक्रिया व्यक्त न करना भी प्रतिक्रिया व्यक्त करने का एक तरीका है। संबंध उद्दीपनता और संबंध प्रतिक्रिया के बीच एक अवसर रूपी स्थान होता है। हम अक्सर इस स्थान के बारे में नहीं जानते हैं। किसी ने गुस्से को नियंत्रित करने के लिए जिन तरीकों का सुझाव दिया है उनमें से एक से लेकर दस तक गिनना है। यह वस्तुत : हमारी भावनाओं को नियंत्रित करने और अच्छी प्रतिक्रिया देने के लिए अवसर स्थान का उपयोग करना है। यदि हम मानते हैं कि, 'मैं सिर्फ ऐसा ही रहूंगा' तो वहां विकास और परिवर्तन की कोई गुंजाइश नहीं है। अगर आपको लगता है कि आप एक गुस्सैल इंसान हैं, तो आप स्वयं को बदलने के लिए कुछ नहीं करेंगे।	**परिदृश्य** शिक्षार्थी को वास्तविक जीवन की कोई स्थिति दें अथवा किसी ऐसी स्थिति का प्रयोग करें जो क्षेत्र में ही घटी हो और चर्चा करें कि हम उस स्थिति पर प्रतिक्रिया देने के स्थान पर अपनी प्रतिक्रिया का चयन कर सकते हैं।	

समय	विषय–वस्तु	क्रियाकलाप	संसाधन
	जब हम यह पहचानते हैं कि हम गुस्से में या विनम्रता से जवाब देने के विकल्पों में से एक चुन सकते हैं, तो हम अपनी प्रतिक्रियाओं के लिए जिम्मेदारी स्वीकार करने में सक्षम हैं, जिससे रिश्तों को ठीक किया जा सके और समस्याओं को रोका जा सकता है। इसी प्रकार, यदि कोई आपसे गुस्सा होता है, तो आप यह चयन कर सकते हैं कि आपको उसकी प्रतिक्रिया कैसे व्यक्त करनी है, क्या गुस्सा होना है या दुःखी होना है या स्वयं को निष्कृष्ट समझना है।		
	ग्राहकों के साथ संबंधों में स्वस्थ सीमाएं: अध्याय एक बहुत अधिक जुड़ने के स्थान पर सहानुभूति व्यक्त करना जिम्मेदारी– संबंधों में संघर्ष के बारे मे चर्चा करने के लिए अपने साथ उस वरिष्ठ को ले जाएं, जिनके साथ आप संपर्क में हों।	उपर्युक्त मामलों में से कोई मामला चर्चा के लिए सामने आ सकता है। अनुदेशक को उसका पूर्णत : विस्तार और वर्णन करना चाहिए।	
	वरिष्ठों के साथ संबंधों में स्वस्थ सीमाएं : अपमानजनक स्थिति से निपटना दृढ़ता विकसित करना सहयोगियों के साथ सीमाओं को जानें और विकसित करें प्राधिकारियों को सम्मान दें स्व–उपयोगिता की स्वस्थ भावना विकसित करें	एक परिदृश्य के रूप में प्रस्तुत करें और पूछें कि वे क्या करते।	
	सहयोगियों और कनिष्ठों के साथ संबंधों में स्वस्थ सीमाएं : पारस्परिक सम्मान क्षमा मांगने की इच्छा उनकी सहायता के लिए तैयार रहना क्षमा करना यह याद रखना कि कभी आप भी उनके स्थान पर थे।	एक परिदृश्य के रूप में प्रस्तुत करें और पूछें कि वे क्या करते।	
	सारांश	जो भी आपने सीखा है उसे तथा एक ऐसी बात जिस पर आप अपने संबंधों में परिवर्तन लाने के लिए कार्य करना चाहते हैं, उसे भी अभिव्यक्त करें।	

संदर्भ :

यह साप्ताहिक स्व–आकलन प्रक्रिया का तथा अपने वरिष्ठों के साथ चर्चा के भाग हो सकता है।

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों को संचालित और प्रबंधित करना; मॉड्यूल 1 : कार्य योजना तैयार करना; शीर्षक 2 : समय प्रबंधन

सत्र 2.1.2.3 : पिछले सप्ताह समुदाय परियोजना के समय–प्रबंधन पर विचार व्यक्त करना

अपने पर्यवेक्षक से भेंट करें और समुदाय परियोजना के कार्यों के संबंध में पिछले सप्ताह के दौरान अपने समय–प्रबंधन पर विचार व्यक्त करें।

पीबी एंड आरपी यूनिट दो : कार्यों और उत्तरदायित्वों को संचालित और प्रबंधित करना; मॉड्यूल 2 : आकस्मिकताओं को प्रबंधित करना; शीर्षक 1 : नकारात्मक प्रतिक्रियाओं का प्रबंधन

सत्र 2.2.1.2 : नकारात्मक परिणामों का प्रबंधन			
चरण दो : सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु अपने कार्य में नकारात्मक परिणामों को प्रबंधित करने के लिए अपनी प्रतिक्रियाओं और सकारात्मक रणनीतियों पर चर्चा करते हैं			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	नकारात्मक परिणामों, निराशाओं और विफलताओं का और साथ ही साथ विरोध और सहानुभूति का निपटान करना। वरिष्ठो और सहयोगियों के साथ चर्चा। नकारात्मक परिणामों को विषयपरक रूप से देखना और उनसे सीखना। किसी व्यक्ति अथवा अन्यों द्वारा लगाए गए आरोपों को नजरअंदाज करना। इस बात को समझना कि हर एक बात हमारी बनाई हुई योजना के अनुसार नहीं चल सकती है। विषाद की अवस्थाएं समझना और व्यक्ति को उसके संबंध में दु :ख व्यक्त करने का समुचित अवसर प्रदान करना।	प्रतिक्रिया – क्या आपको अपने उस ग्राहक के साथ कोई नकारात्मक परिणाम का अनुभव हुआ जिसके साथ आपने अभी कार्य किया है? आपको क्या कठिनाइयां पेश आईं? आपने उनका निपटान किस प्रकार किया? अथवा कुछ ऐसे परिदृश्यों का वर्णन करें यदि ऐसी परेशानियां नहीं आई हैं।	

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 21 : नकारात्मक परिणामों को प्रबंधित करना*

पीबी एंड आरपी यूनिट तीन : वैयक्तिक कुशलता और सतत् शिक्षा अनुरक्षित करना; मॉड्यूल 2 : सतत् सुधार की योजना और निगरानी; शीर्षक 2 : सतत् शिक्षा

सत्र 3.2.2.2 : सतत् शिक्षा के लिए अवसर

यह उन विभिन्न तरीकों से अवगत होने का अवसर प्रदान करता है, जिनसे आप निरंतर सीखना और विकास करना सुनिश्चित कर सकते हैं। एक ऐसे कौशल को नोट करें जिसे आप अगले सत्र और अपने चयनित ज्ञान स्रोत पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सीखना चाहते हैं।

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 24 : स्व–आकलन और सतत् शिक्षा*

आईसीडी यूनिट तीन : स्थानीय, राज्य और केंद्रीय सरकार की एजेंसियों के साथ कार्य करना; मॉड्यूल 1: सरकार को परामर्श और उसके साथ सहयोग करना; शीर्षक 2 : हिमायत अभियान की योजना बनाना और उन्हें तैयार करना

सत्र 3.1.2.3 : परामर्श प्रस्तुतीकरण तैयार करें

4.2.3 समुदाय परियोजना का भाग

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 8 : समुदाय की कार्रवाइयों को सहायता प्रदान करना*
- *समुदाय परियोजना अनुदेश* – आवश्यक !

आईसीडी यूनिट चार : समुदाय की कार्रवाई को सहयोग; मॉड्यूल 2 : हिमायत और कार्रवाई के लिए समूहों के साथ नेटवर्क स्थापित करना और कार्य करना; शीर्षक 3 : समुदाय परियोजना संचालित करना

आईसीडी सत्र योजना : 4.2.3

समुदाय परियोजना जारी...

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 8 : समुदाय की कार्रवाई को सहयोग*
- *समुदाय परियोजना अनुदेश* – **आवश्यक!**

सप्ताह 21

सप्ताह 21	चरण तीन ब्लॉक 4 सप्ताह 5 फील्ड में	
	पूर्वाह्न	अपराह्न
सोमवार	4.2.2.4 (इनपुट) सहायक संचलन और गतिशीलता शिक्षण आवश्यकताओं पर परिवारों को शिक्षित करना (चरण दो मे 4.2.2.1 से जारी)	4.2.3 समुदाय परियोजना **(असाइनमेंट)**
मंगलवार	3.2.2.2 नया कौशल सीखना	4.2.3 समुदाय परियोजना
बुधवार	3.2.2.2 जारी...	4.2.2.4 परिवारों को प्रदर्शित करना कि सहायक संचलन और गतिशीलता शिक्षण आवश्यकताओं को किस प्रकार सहायता दी जाती है
गुरुवार	4.2.3 समुदाय परियोजना **(असाइनमेंट)**	4.3.1.3 एडीआईपी तक पहुंच बनाने के लिए परिवार को सुविधा प्रदान करना
शुक्रवार	4.3.2.2 (प्रयो.) (सेटअप) स्वदेशी सहायक उपकरणों और गृह–आधारित अनुकूलन उपकरणों को विकसित करना। सप्ताह 17 में, स्वदेशी सहायक उपकरणों के निर्माण पर चर्चा की गई थी। इस ब्लॉक में, आप एक–दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागिता करेंगे जहां आप अपने स्वयं के उपकरणों का निर्माण करेंगे। पर्यवेक्षक 5–10 सामान्य उपकरण तैयार करने के लिए अनुदेशों और संसाधनों की आपूर्ति प्रदान करेंगे – जिसमें संचालन के लिए 2–4 का चयन किया जाएगा। सभी अनुदेशों को अपने **पोर्टफोलियो** में फाइल करें, अपनी बनाई गई मदों की एक फोटो ले ले और उसके संबंध में टिप्पणियां तैयार करें।	

चरण तीन सप्ताह 21

ए एंड आई

4.2.2.4	सहायक संचलन और गतिशीलता शिक्षण आवश्यकताओं पर परिवारों को शिक्षित करना
4.3.1.3	एडीआईपी तक पहुंच बनाने के लिए परिवार को सहायता प्रदान करना
4.3.2.2	एक घर–आधारित अनुकूलन उपकरण विकसित करना

पीबी एंड आरपी

3.2.2.2	सतत् शिक्षण के लिए अवसर

आईसीडी

4.2.3	असाइनमेंट – समुदाय परियोजना

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप में सहयोग करना और उसे उपलब्ध कराना; मॉड्यूल 2 : दिव्यांगजनों के साकल्यवादी विकास में वृद्धि करना; शीर्षक 2 : संचलन और स्वतंत्र कार्यकरण में संवृद्धि करने के लिए शिक्षण कौशल

सत्र 4.2.2.4 : संचलन और गतिशीलता को सहयोग देने के लिए परिवारों को शिक्षित करना

प्रशिक्षु (एन = एक्स) परिवारों के साथ जुड़ेगे, उन्हें यथावश्यक संचलन, संतुलन, स्थापन, स्वस्थता और सहनशक्ति ग्रहण करने के लिए सहयोग प्रदान करेंगे।

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप में सहयोग करना और उसे उपलब्ध कराना; मॉड्यूल 3 : सहायक और पुनर्वास उपकरणों की स्थापना और प्रशिक्षण में सहायता; शीर्षक 1 : एडीआईपी योजना

सत्र 4.3.1.3 : एडीआईपी तक पहुंच बनाने में किसी परिवार को सहायता प्रदान करना

सप्ताह 4 में एडीआईपी स्कीम के बारे में विवरण प्राप्त करने तथा उनके द्वारा स्वयं एडीआईपी प्रपत्र भरे जाने और प्रस्तुत किए जाने के उपरांत, प्रशिक्षु एडीआईपी स्कीम तक पहुंच बनाने में परिवारों की सहायता प्रदान करेंगे।

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप में सहयोग करना और उसे उपलब्ध कराना; मॉड्यूल 3 : सहायक और पुनर्वास उपकरणों की फिटिंग और प्रशिक्षण में सहायता, शीर्षक 2 : घरेलू उपकरण; निर्माण और प्रयोग

सत्र 4.3.2.2 : गृह–आधारित अनुकूलन उपकरण विकसित करना		
चरण तीन : सत्र संख्या :		
सत्र की अवधि :		
प्रशिक्षुओं की संख्या :		
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : शिक्षार्थी स्वदेशी उपकरणों और उनकी प्रासंगिकता के बारे में जानेंगे तथा उनमें से कुछ को तैयार करने मे समर्थ होंगे।		
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**
	प्रयोग : सप्ताह 17 में (पृष्ठ 205), स्वदेशी सहायक उपकरणों के निर्माण पर चर्चा की गई थी। इस ब्लॉक में, आप एक–दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागिता करेंगे जहां आप अपने स्वयं के उपकरणों का निर्माण करेंगे। पर्यवेक्षक 5–10 सामान्य उपकरण तैयार करने के लिए अनुदेशों और संसाधनों की आपूर्ति प्रदान करेंगे जिसमें संचालन के लिए 2–4 का चयन किया जाएगा। सभी अनुदेशों को अपने **पोर्टफोलियो** में फाइल करें, अपनी बनाई गई मदों की एक फोटो ले और उसके संबंध में टिप्पणियां तैयार करें।	

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 30 : स्वदेशी उपकरण* – ***यहां संदर्भ ग्रहण करें***

पीबी एंड आरपी यूनिट तीन : वैयक्तिक कुशलता और सतत् शिक्षा अनुरक्षित करना; मॉड्यूल 2 : सतत् सुधार की योजना और निगरानी; शीर्षक 2 : सतत् शिक्षा

पीबी एंड आरपी सत्र योजना : 3.2.2.2

सतत् शिक्षण के लिए अवसर जारी......

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 24 : स्व–आकलन और सतत् शिक्षण*

आईसीडी यूनिट चार : समुदाय कार्रवाई को सहयोग देना; मॉड्यूल 2 : परामर्शक और कार्रवाई समूहों के साथ नेटवर्क स्थापित करना और उनके साथ कार्य करना; शीर्षक 3 : समुदाय परियोजना संचालित करना

आईसीडी सत्र योजना : 4.2.3

समुदाय परियोजना जारी...

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 8 : समुदाय की कार्रवाई को सहयोग देना*
- *समुदाय परियोजना अनुदेश – आवश्यक!*

सप्ताह 22

सप्ताह 22	चरण तीन खंड 4 सप्ताह 6 फील्ड में	
	पूर्वाह्न	अपराह्न
सोमवार	4.3.3.1 (इनपुट) एंव 4.3.3.2 (प्रयोग) सहायक उपकरणों की फिटमेंट, प्रशिक्षण और मरम्मत	4.2.3 समुदाय परियोजना **(असाइनमेंट)**
मंगलवार	**सहयोगियों और पर्यवेक्षकों के साथ चर्चाएं :** • 1.1.2.2 सीमा के मुद्दे पर प्रबंधन प्रस्तुत करना • 1.3.2.3 एक कठिन और एक सकारात्मक संपर्क स्थापित करना • 3.1.3.3 किसी महत्वपूर्ण घटना/दुखद ग्राहक परिणामों अथवा वैयक्तिक विफलता पर जानकारी देना	4.2.3 समुदाय परियोजना **(असाइनमेंट)**
बुधवार	छात्र संगोष्ठियों के लिए तैयारी करें। इन्हें अंतिम सप्ताह के सोमवार को प्रशिक्षण केन्द्रों में संचालित किया जाएगा। प्रस्तुत किए जाने वाले संभावित प्रदान किए जाएंगे अथवा प्रशिक्षु अपनी ओर से कोई सुझावा दे सकते हैं – जैसे किसी कौशल को प्रदर्शित करना, किसी उपयोगी संसाधन पर चर्चा करना, किसी महत्वपूर्ण विषय पर प्रस्तुतीकरण, एक सफल रोल–मॉडल अथवा स्व–एडवोकेट अथवा संस्था आदि के साथ साक्षात्कार करना आदि। प्रत्येक प्रस्तुतीकरण 20 मिनट तक चलेगा जिसमें 10 मिनट के प्रश्न होंगे।	4.4.1.2 परिवार को ओ एंड एम तकनीकों में प्रशिक्षण प्रदान करना. चरण दो ब्लॉक 3 में, ओ एंड एम तकनीकों पर चर्चा की गई 4.4.1.1), यहां आप किसी परिवार को इनमें से किसी एक तकनीक में सज्जित करने के लिए सहायता प्रदान करेंगे।
गुरुवार	4.2.3 समुदाय परियोजना **(असाइनमेंट)**	4.4.2.3 एक एडीएल प्रशिक्षण योजना विकसित करना। चरण दो मे, आप सामान्य एडीएल कौशलों के लिए कार्य विश्लेषण पूर्ण करेंगे। यहां पर आप इन कौशलों में से किसी एक में से किसी दिव्यांग व्यक्ति के लिए अतिरिक्त प्रशिक्षण योजना प्रदान करेंगे। आप इस योजना को अपने पोर्टफोलिओ असाइनमेंट में प्रस्तुत करेंगे।
शुक्रवार	4.2.3 समुदाय परियोजना **(असाइनमेंट)**	4.4.2.3 एडीएल प्रशिक्षण योजना तैयार करना जारी....

चरण तीन सप्ताह 22

ए एंड आई

4.3.3.1/4.3.3.2 सहायक उपकरणों का रख–रखाव, प्रशिक्षण और मरम्मत तथा उनका व्यावहारिक प्रदर्शन

4.4.1.2 किसी परिवार के ओ एंड एम तकनीकों में प्रशिक्षण देना

4.4.2.3 **पोर्टफोलियो** – एक एएलडी योजना विकसित करना

पीबी एंड आरपी

1.1.2.2 किसी सीमा संबंधी विषय के प्रबंधन पर प्रस्तुतीकरण देना

1.3.2.3 विषम दल संपर्कों पर विचार व्यक्त करना

3.1.3.3 कठिन घटनाओं के बारे में वर्णन

आईसीडी

4.2.3 असाइनमेंट – समुदाय परियोजना

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप और सहायता उपलब्ध कराना; मॉड्यूल 3 : सहायक उपकरणों की फिटमेंट और प्रशिक्षण में सहायता; शीर्षक 3 : फिटमेंट, प्रशिक्षण और मरम्मत

सत्र 4.3.3.1/4.3.3.2 : सहायक उपकरणों की आधारभूत फिटमेंट, प्रशिक्षण और मरम्मत तथा प्रयोग			
चरण तीन : सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु सहायक उपकरणों की आधारभूत फिटमेंट, प्रशिक्षण और मरम्मत संचालित करता है			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	4.3.3.1 सहायक उपकरण – फिटमेंट	शिक्षार्थी यह सीखेंगे और अभ्यास करेंगे कि विभिन्न सहायक उपकरणों को किस प्रकार फिट किया जाता है।	विभिन्न सहायक उपकरण जैसे प्रदर्शन मॉडल (अर्थात व्हीलचेयर, कैलिपर्स, प्रोस्थेसिस, श्रवण सम्बिधित, बैसाखी, चश्मा, उपकरण प्रमस्तिष्क पक्षाघात के लिए कुर्सी आदि)
	सहायक उपकरण – परिवारों को प्रशिक्षण	शिक्षार्थी यह सीखेंगे कि विभिन्न सहायक उपकरणों में परिवारों को प्रशिक्षण कैसे दिया जाता है.	
	सहायक उपकरण – मरम्मत	प्रशिक्षु यह सीखेंगे कि सहायक उपकरणों की आधारभूत मरम्मत कैसे की जाती है.	
	4.3.3.2 प्रयोग : प्रशिक्षु विभिन्न सहायक उपकरणों की फिटमेंट, प्रशिक्षण और मरम्मत का अभ्यास करेंगे और उसे प्रदर्शित करेंगे। यह नियोजन के दौरान पहले ही प्रदर्शित किया गया होगा। पर्यवेक्षक को इस बात पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता है कि यह कार्य पूर्ण हो गया है।		

संदर्भ :

- https://guides.library.illinois.edu/c.php?g=k533633&p=k3651132
- *ईएन शीर्षक 30 : मरम्मत और अनुरक्षण*

ए एंड आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप और सहायता उपलब्ध कराना; मॉड्यूल 4 : ओएंडएम, संचलनता और एडीएल प्रशिक्षण; शीर्षक 1 : ओ एंड एम तकनीकें

सत्र 4.4.1.2 : ओएंडएम तकनीकों मे परिवार का प्रशिक्षण

प्रशिक्षु किसी एक परिवार को सहायता प्रदान करते हैं ताकि वह इन तकनीकों में से किसी भी एक तकनीक उस परिवार के सदस्यों को पारंगत बना दें।

ए एडं आई यूनिट चार : बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप और सहायता उपलब्ध कराना; मॉड्यूल 4 : ओ एंड एम, संचलनता और एडीएल प्रशिक्षण; शीर्षक 2 : एडीएल कार्य विश्लेषण

सत्र 4.4.2.3 : एडीएल प्रशिक्षण योजना विकसित करना

प्रशिक्षु उन कौशलों में से किसी एक कौशल का प्रयोग करते हुए किसी दिव्यांगजन के लिए एडीएल प्रशिक्षण योजना विकसित करेंगे जिसके लिए उन्होंने कार्य विश्लेषण पूर्ण किया है। यह योजना पोर्टफोलियो असाइनमेंट के भाग के रूप में प्रस्तुत की जाएगी।

पीबी एंड आरपी यूनिट एक : भूमिका और उत्तरदायित्वों की अपेक्षाओं की पूर्ति करना; मॉड्यूल 1 : भूमिका की व्यावहारिक और संभार–तंत्र संबंधी अपेक्षाओं पर प्रकाश डालना; शीर्षक 2 : उत्तरदायित्वों की सीमाएं

सत्र 1.1.2.2 : सीमा संबंधी मुद्दे का प्रबंधन प्रस्तुत करना

प्रशिक्षु एक ऐसी स्थिति पर चर्चा करेंगे जिसमें उन्हें उनकी भूमिका की सीमाओं का निर्धारण करने और किसी समुचित प्रतिक्रिया के संबंध में विचार करने की आवश्यकता पड़ी हो।

अपेक्षित संसाधन :

भूमिका की सीमा संबंधी चुनौतियों पर प्रतिक्रिया देने की पर्याप्तता का निर्धारण करने और भविष्य में विकल्पों को चुनने पर चर्चा को सुकर बनाने के लिए सीबीआईडी प्रबंधक के लिए प्रपत्र

पीबी एंड आरपी यूनिट एक : भूमिका और उत्तरदायित्वों की अपेक्षाओं की पूर्ति करना; मॉड्यूल 3 : दल में प्रभावशाली रूप से कार्य करना; शीर्षक 2 : दल में पारस्परिक संपर्क

सत्र 1.3.2.3 : विषम दल पारस्परिक संपर्कों पर विचार व्यक्त करना

प्रशिक्षु अपने पर्यवेक्षक और सहयोगियों के साथ वर्णात्मक चर्चा में भाग लेंगे, जिसमें एक कठिन और एक सकारात्मक दल चर्चा पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाएगा

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 15 : नकारात्मक प्रतिक्रियाओं को प्रबंधित करना*

पीबी एंड आरपी यूनिट तीन : वैयक्तिक कुशलता और सतत् शिक्षा अनुरक्षित करना; मॉड्यूल 1 : वैयक्तिक कुशलता की निगरानी करना और उसे अनुरक्षित करना; शीर्षक 3 : भावनात्मक स्वास्थ्य और लचीलापन

सत्र 3.1.3.3 : कठिन घटनाओं का परिचय

प्रशिक्षु किसी भी महत्वपूर्ण घटना/बुरे ग्राहक अनुभव अथवा वैयक्तिक विफलता के बारे में बताएंगे।

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 22 : भावनात्मक स्वास्थ्य और नकारात्मक परिणामों को प्रबंधित करना*

आईसीडी यूनिट चार : समुदाय कार्रवाई को सहयोग देना; मॉड्यूल 2 : हिमायत और कार्रवाई के लिए समूहों के साथ नेटवर्क स्थापित करता है और कार्रवाई करता है; शीर्षक 3 : समुदाय परियोजना संचालित करना

आईसीडी सत्र योजना : 4.2.3

समुदाय परियोजना जारी..

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 8 : समुदाय कार्रवाई को सहयोग देना*
- *समुदाय परियोजना अनुदेश– **आवश्यक !***

सप्ताह 23

सप्ताह 23	चरण तीन ब्लॉक 4 सप्ताह 7 फील्ड में	
	पूर्वाह्न	अपराह्न
सोमवार	4.5.2.3 एक वैकल्पिक बोर्ड तैयार करना। चरण दो ब्लॉक 3 में, आप वैकल्पिक संचार प्रणालियां प्रलेखीकृत करेंगे यह अनुदेश प्राप्त करेंगे कि सामान्य प्रणालियां किस प्रकार विकसित की जाती हैं। इस सत्र में, आप किसी ऐसे परिवार के लिए संचार बोर्ड तैयार करेंगे जिनसे आप प्रशिक्षण के दौरान मिले हैं तथा इसे प्रदर्शित करेंगे और इसके प्रयोग में प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। (पोर्टफोलियो)	4.3.1.1 (इनपुट) स्थानीय नेताओं की भूमिकाएं, उत्तरदायित्व और चयन की प्रतिभागितापूर्ण प्रक्रियाएं
मंगलवार	छात्र संगोष्ठियों और संसाधन मेलों के लिए तैयारी करना	4.3.1.2 स्थानीय नेताओं की पहचान करने और उनका चयन करने के लिए समुदाय के साथ काम करना
बुधवार	छात्र संगोष्ठियों और संसाधन मेलों के लिए तैयारी करना	4.5.2.3 एक वैकल्पिक संचार बोर्ड विकसित करना जारी.... (पोर्टफोलियो)
गुरुवार	4.3.1.2 स्थानीय नेताओं की पहचान करने और उनका चयन करने के लिए समुदाय के साथ काम करना जारी...	4.5.2.3 एक वैकल्पिक संचार बोर्ड विकसित करना जारी....(पोर्टफोलियो)
शुक्रवार	4.3.1.3 स्थानीय नेताओं का प्रशिक्षण, विकास और समावेश	4.5.2.3 एक वैकल्पिक संचार बोर्ड विकसित करना जारी.... (पोर्टफोलियो)

चरण तीन सप्ताह 23

ए एंड आई

4.5.2.3	पोर्टफोलियो – एक वैकल्पिक संचार बोर्ड विकसित करना

आईसीडी

4.3.1.1	स्थानीय नेताओं की भूमिकाएं, उत्तरदायित्व और चयन
4.3.1.2	स्थानीय नेताओं की पहचान करने और उनका चयन करने के लिए समुदाय के साथ काम करना
4.3.1.3	स्थानीय नेताओं का प्रशिक्षण, विकास और समावेश

ए एंड आई यूनिट चार : सहयोग तथा बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप प्रदान करना; मॉड्यूल 5 : विभिन्न पद्धतियों का प्रयोग करते हुए आधारभूत जानकारी संप्रेषित करना; शीर्षक 2 : वैकल्पिक संचार प्रणालियां

सत्र 4.5.2.3 : वैकल्पिक संचार बोर्ड विकसित करना

सप्ताह 13 में, आपने वैकल्पिक संचार प्रणालियों को प्रलेखित करेंगे तथा इस संबंध में अनुदेश प्राप्त करेंगे कि सामान्य प्रणालियां किस प्रकार तैयार की जाती हैं। इस सप्ताह के दौरान, आप किसी ऐसे परिवार के लिए संचार बोर्ड तैयार करेंगे जिनसे आप प्रशिक्षण के दौरान मिले हैं तथा इस प्रदर्शित करेंगे और इसके प्रयोग में प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

आईसीडी यूनिट पांच : स्थानीय नेतृत्व और समूह, मॉड्यूल 3 : स्थानीय नेतृत्व को सहयोग, शीर्षक 1 : स्थानीय नेतृत्व सरलीकरण

सत्र 4.3.1.1 : प्रतिभागी प्रक्रिया के माध्यम से समुदाय के नेताओं की भूमिकाएं और उत्तरदायित्व			
चरण तीन : सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : *एक अच्छे नेता की विशेषताएं प्रदर्शित करना, विभिन्न प्रतिभागियों के मध्य दल में निर्णय लेने को सुकर बनाना, भूमिका संबंधी उत्तरदायित्वों के लिए प्रपत्र तैयार करना जिसमें रिकार्ड का अनुरक्षण और प्रलेखीकरण भी शामिल है तथा विभिन्न प्रकार के नेताओं को वर्गीकृत करना और उनके कौशलों को संरेखित करना।*			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	समुदाय नेता की विशेषताएं	प्रशिक्षण प्रशिक्षुओं से यह जानकारी प्राप्त करेगा कि उनके रोल मॉडल अथवा समुदाय के आदर्श नेता कौन हैं। इसके बाद, प्रशिक्षक प्रत्येक प्रशिक्षु को मेटा कार्ड पर उन विशेषताओं को लिखने के लिए कहेगा जो वे समुदाय नेताओं में पसंद करते हैं। तत्पश्चात, मेटा कार्ड को चार्ट पर प्रदर्शित किया जाएगा और समुदाय नेता की विशेषताओं को निर्धारित करने के लिए उन पर चर्चा की जाएगी।	मेटा कार्ड चार्ट पेपर ग्लू स्टिक
	नेताओं के प्रकार और उनके कौशल	मेटा कार्डों से प्रशिक्षक नेताओं के गुणों और कौशलों को पृथक करेगा तथा विभिन्न प्रकार के नेताओं को शीर्षक प्रदान करेगा।	मेटा कार्ड चार्ट पेपर ग्लू स्टिक
	समुदाय नेताओं की विविधतापूर्ण प्रतिभागिता : उच्च प्रतिभागिता से निम्न प्रतिभागिता	किसी समुदाय नेता के गुणों से उदाहरण लेते हुए, प्रशिक्षु चार्ट पर एक रेखा अंकित करेंगे और उसके खंड बनाएंगे। रेखा के एक छोर पर लिखा जाएगा – उच्च प्रतिभागिता (दूसरों को काम सौंपना), अच्छी प्रतिभागिता (निर्णय मिल– जुलकर लिए जाते हैं) औसत (नेता विचार प्रदान करता है) निम्न प्रतिभागिता (नेता निर्णय लेता है)	मेटा कार्ड चार्ट पेपर ग्लू स्टिक

संदर्भ :

- https://ec.europa.eu/echo/files/evaluation/watsan2005/annex files/WEDC/es/ES12CD.pdf
- http://www.apcdfoundation.org/?q=ksystem/files/cbid.pdf
- https://www.collectiveimpactforum.org/sites/default/files/Community%20Engagement%20Toolkit.pdf
- *ईएन शीर्षक 9 : स्थानीय नेतृत्व और समूह*

आईसीडी यूनिट पांच : स्थानीय नेतृत्व और समूह, मॉड्यूल 3 : स्थानीय नेतृत्व को सहयोग, शीर्षक 1 : स्थानीय नेतृत्व सरलीकरण

सत्र 4.3.1.2 : स्थानीय नेतृत्वकर्ताओं की पहचान और चयन करने के लिए समुदाय के साथ कार्य करना			
चरण तीन : सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : एक अच्छे नेता की विशेषताएं प्रदर्शित करना, विभिन्न प्रतिभागियों के मध्य दल में निर्णय लेने को सुकर बनाना, भूमिका संबंधी उत्तरदायित्वों के लिए प्रपत्र तैयार करना जिसमें रिकार्ड का अनुरक्षण और प्रलेखीकरण भी शामिल है तथा विभिन्न प्रकार के नेताओं को वर्गीकृत करना और उनके कौशलों को संरेखित करना।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	पहचाने गए समुदाय नेताओं का प्रलेखीकरण	समुदाय नेता का चयन करने के लिए क्षेत्र में प्रयोग बैठक के कार्यवृत्तों को तैयार करने तथा उनका प्रलेखीकरण करने के लिए प्रपत्र बनाने का प्रदर्शन. समुदाय नेता की भूमिका संबंधी जिम्मेदारियों को सूचीबद्ध करना।	फ्लिप चार्ट क्लिप
	अभ्यास	नेतृत्व के मॉडल	वृत्त–चित्र

संदर्भ :

- *ईएन शीर्षक 9 : स्थानीय नेतृत्व और समूह*

आईसीडी यूनिट पांच : स्थानीय नेतृत्व और समूह, मॉड्यूल 3 : स्थानीय नेतृत्व को सहयोग, शीर्षक 1 : स्थानीय नेतृत्व सरलीकरण

सत्र 4.3.1.3 : स्थानीय नेतृत्वकर्ताओं का प्रशिक्षण, विकास और उन्हें संसाधन उपलब्ध कराना, सहयोग समूहों का गठन और संसाधनों का उपयोग.

चरण तीन : सत्र संख्या :

सत्र की अवधि :

प्रशिक्षुओं की संख्या :

प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणाम : सहयोग और संसाधनों के रूप में अनिवार्यताओं और वांछनीयताओं को वर्गीकृत करना; समूहों के सहयोग और गठन के लिए देशी प्रक्रिया तैयार करना; समुचित प्राधिकारियों तक समुदाय की जरूरतों को पहुंचाना और उनका निवारण करना।

समय	विषय–वस्तु	क्रियाकलाप	संसाधन
	नेता के लिए अपेक्षित सहयोग और संसाधन	'नेता का अनुसरण करें' खेल संचालित करने का हस्तक्षेपकारी क्रियाकलाप। प्रशिक्षक इस खेल के महत्व के बारे में चर्चा करेगा और प्रशिक्षुओं को जोर देकर यह बताएगा कि नेता को समुदाय में अन्य लोगों के सहयोग की आवश्यकता होती है।	
	अपेक्षित सहयोग के प्रकार	समस्त समुदाय सहयोगों को सूचीबद्ध करना तथा उसके बाद उनमें से अनिवार्य और वांछनीय मदों पर चर्चा करना।	चार्ट
	सहयोग समूह का निर्माण जैसे स्व–सहायता समूह, डीओपी	समुदाय में प्रदर्शन	
	सहयोग समूहों के गठन की प्रक्रिया	विभिन्न सहयोग समूहों का गठन करने की प्रक्रिया का प्रस्तुतीकरण : स्वास्थ्य शिक्षा आजीवका	
	समुचित प्राधिकारियों के लिए समुदाय की जरूरतों की पूर्ति करने की प्रक्रिया	समुचित प्राधिकारियों के पास तक समुदाय की जरूरतें पहुंचाने के संबंध में भूमिका निर्वहन	

संदर्भ :

- http://www.apcdfoundation.org/?q=ksystem/files/cbid.pdf
- *ईएन शीर्षक 9 : स्थानीय नेतृत्व और समूह*

सप्ताह 24

सप्ताह 24	चरण तीन ब्लॉक 4 सप्ताह 8 प्रशिक्षण केंद्र	
	पूर्वाह्न	अपराह्न
सोमवार	छात्र संगोष्ठियां	छात्र संगोष्ठियां
मंगलवार	4.6.2.1 (इनपुट) मानसिक रोग के मुद्दों वाले लोगों के लिए रेफेरल	4.6.2.2 मानसिक रोग से पीड़ित व्यक्ति के लिए दस्तावेज रेफेरल अवसर तथा परिवारों के लिए उनके परिवार के सदस्यों के साथ संपर्क बनाने, उनके अधिकारों का सम्मान करने और उनके लिए प्रतिभागिता और गौरव सुलभ कराने के तरीके
बुधवार	4.3.2 (इनपुट) सीबीआईडी कार्यकर्ता/बाह्य उत्प्रेरक की भूमिका को मंदित करना	4.3.2 (इनपुट) सीबीआईडी कार्यकर्ता/बाह्य उत्प्रेरक की भूमिका को मंदित करना
गुरुवार	• दिन 1 – संसाधन मेला (समुदाय के लिए खुला) – संभवत : बूथ और पोस्टर प्रस्तुतीकरण – लोग कमरे में घूमेंगे और प्रत्येक बूथ पर उसे संचालित करने वाले छात्रों से प्रदर्शित सामग्री के बारे मे चर्चा करेंगे	
शुक्रवार	• दिन 2 – शिक्षा पूर्ण और आयोजन	

चरण तीन सप्ताह 24

ए एंड आई

4.6.2.1 मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों वाले लोगों के लिए रेफेरल

4.6.2.2 मानसिक रोग से पीड़ित लोगों के लिए रेफेरल अवसर

आईसीडी

4.3.2 सीबीआईडी कार्यकर्ता/बाह्य उत्पेरक की भूमिका को मंदित करना

ए एंड आई यूनिट चार : सहयोग देना और बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप प्रदान करना; सत्र योजना: मॉड्यूल 6 : मानसिक रोग से पीड़ित लोगों के साथ कार्य करना और उन्हें सहयोग देना; शीर्षक 2 : मानसिक स्वास्थ्य रेफेरल

सत्र 4.6.2.1 : मानसिक रोग से पीड़ित लोगों के लिए रेफेरल को सुकर बनाना			
चरण तीन; सत्र संख्या :			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
हासिल किए जाने वाले अधिगम परिणाम : प्रशिक्षु मानसिक अस्वस्थता के संकेतों की पहचान कर पाने मे समर्थ होंगे और उपयुक्त रेफेरेलों का सुझाव दे सकेंगे			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से पीड़ित लोगों के लक्षण		श्वेतबोर्ड
	मानसिक स्वास्थ्य विकृतियों के प्रारंभिक संकेत		चार्ट
	रेफेरल अवसर और सहायक रेफेरल		

ए एंड आई यूनिट चार : सहायता और बहु क्षेत्रीय हस्तक्षेप उपलब्ध कराना; सत्र योजना : मॉड्यूल 6 : मानसिक रोग से पीड़ित लोगों के साथ कार्य करना और उन्हें सहयोग देना; शीर्षक 2 : मानसिक स्वास्थ्य रेफेरल

सत्र 4.6.2.2 : मानसिक रोग से पीड़ित लोगों के लिए रेफेरल अवसर

मानसिक रोग से पीड़ित व्यक्ति के लिए दस्तावेज रेफेरल अवसर तथा परिवारों के लिए उनके परिवार के सदस्यों के साथ संपर्क बनाने, उनके अधिकारों का सम्मान करने और उनके लिए प्रतिभागिता और गरिमा सुलभ कराने के तरीके।

आईसीडी यूनिट चार : समुदाय नेतृत्व और कार्रवाइयों को समर्थन; मॉड्यूल 3 : स्थानीय नेतृत्व को समर्थन; शीर्षक 2 : बाह्य परिवर्तन एजेंट को मंदित करना

सत्र 4.3.2.1/4.3.2.2 सीबीआईडी कार्यकर्ता/बाह्य उत्प्रेरक की भूमिका को मंदित करना			
चरण तीन; सत्र संख्या			
सत्र की अवधि :			
प्रशिक्षुओं की संख्या :			
अधिगम परिणाम : आत्मनिर्भरता और दृढ़संकल्प विकसित करने के लिए समूहों की आवश्यकता को प्रदर्शित करें; 'क्या करें और क्या न करें' के रूप में समुदाय समूहों और नेताओं के लिए स्वदेशी उपकरण तैयार करें; मंदन की रणनीतियों की भूमिका निर्वहन करने के माध्यम से प्रदर्शन करें।			
समय	**विषय–वस्तु**	**क्रियाकलाप**	**संसाधन**
	4.3.2.1 'लगान' जैसी लोकप्रिय फिल्म क्लिपिंग का उपयोग करके महत्वपूर्ण गतिविधि संचालित करना और प्रशिक्षुओं के दल/समूह के दृढ़संकल्प का वर्णन करने के लिए प्रोत्साहित करना	क्रियाकलाप दें	फिल्म क्लिपिंग
	निम्न के माध्यम से स्व–निर्धारण में वृद्धि करना जिसके फलस्वरूप आत्मनिर्भरता आती है : • स्व–जागरूकता, • अधिकारों के बारे में जानकारी, • संचार कौशल • नेतृत्व कौशल	लक्ष्य, समर्थन की आवश्यकताओं और आवास को साकार करने के लिए एक समूह के रूप में भूमिका निर्वहन क्रियाकलाप। इसके बाद, प्रशिक्षक प्रशिक्षुओं को अधिकारों के बारे में अपने ज्ञान का प्रदर्शन करने, उल्लंघन का निवारण करने और बदलाव की वकालत करने के लिए एक समूह के रूप में प्रोत्साहित करेंगे। इसके अलावा प्रशिक्षक समूह को संचार तकनीकों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जैसे कि नेतृत्व कौशल, नेतृत्व कौशल के साथ–साथ संचार के लिए बढ़ावा देना।	
	प्रारंभिक समुदाय नेताओं के लिए सहायक तकनीकें	प्रशिक्षक लघु समूह बैठकों के माध्यम से सहायक कौशलों को प्रदर्शित करते हैं जैसे मॉडल/बैठकों के आयोजन का प्रदर्शन करना, चिंताएं प्रतिपादित करना, साधारण से जटिल कार्यों की ओर जाना, संकेत करना, प्रेरणा और स्मरक प्रदान करना और रिपोर्ट लेखन की रूपरेखा देना कि किस प्रकार प्रारंभिक समुदाय नेताओं को सहयोग प्रदान किया जा सकता है।	
	मंदित करने संबंधी अवस्थाएं	प्रशिक्षक प्रशिक्षुओं को प्रारंभिक समुदाय नेताओं को दी गई मंदन तकनीकों को प्रदर्शित करेंगे, आकस्मिकता : आवश्यक होने पर सहयोग प्रदान करना अस्थायी : सहायता धीरे–धीरे कम की जाती है स्थानांतरण उत्तरदायित्व : उत्तरदायित्व धीरे–धीरे सहायता प्रदाता से प्रशिक्षु की ओर अंतरित होगा	
	4.3.2.2 स्वदेशी उपकरण तैयार करना	प्रशिक्षु अपने संदर्भों पर विचार करते हैं और अपने द्वारा अपनाई जाने वाली मंदन तकनीकों को निर्धारित करते हैं।	

संदर्भ :

- https://www.crporegon.org/cms/lib/OR01928264/Centricity/Domain/45/Documents/NSTTAC-Teaching-Self-Determination-Skills-to-Students-with-Disabilities.pdf
- https://iris.peabody.vanderbilt.edu/module/sca/cresource/q1/p01/
- *ईएन शीर्षक 9 : स्थानीय नेतृत्व और समूह*

भारतीय पुनर्वास परिषद्

भारतीय पुनर्वास परिषद्

(सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक निकाय)

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग

भारत सरकार

बी–22, कुतुब संस्थागत क्षेत्र, नई दिल्ली–110016

टेलि फोन: **+91-11-26532408, 26534287;** फैक्स: **+91-11-26534291**

ई–मेल: **rci-depwd@gov.in**

वेबसाईट: **www.rehabcouncil.nic.in**

समुदाय आधारित समावेशी विकास (सीबीआईडी)